मासिक

# कुमावत इंडिया

कुमावत प्रगति ट्रस्ट की सामाजिक पत्रिका

साल 6 बेमिसाल
सामाजिक गतिविधियों का लेखा जोखा
सबसे पहले सबसे तेज

Email : kumawatindiapatrika@gmail.com
Website : www.kumawatindiapatrika.in

वर्ष-7 | अंक-7 फरवरी-2024 पृष्ठ-32 मूल्य : ₹ 20.00

# DPS AJMER

Sr. Sec. School

Tabiji Farm Road, Ajmer

## ESTABLISHING

### The Right Environment

We believe in building a modern culture using both traditional & next-generation tools. So, your child's natural talents can blossom.

**SHASHI PAL KUMAWAT**
Chairman

## Our Activities

**Archery & International**
Level Shooting Range

**Swimming Pool**
"DPS Wave Pulse"

**Horse Riding Club**
Won Laurels at the National Level

**Skating Rink**

**Karate Club**
We have won Karate Championship at District, State & National Level.

**Art & Craft**

Tabiji Farm Road, Near D.D. Puram, Beawar Road, Ajmer

Web: www.dpsajmer.in E-Mail: info@dpsajmer.in

## कुमावत प्रगति ट्रस्ट

**पता : एफ-31-ए, एस.एल. मार्ग, लालबहादुर नगर प., दुर्गापुरा, जयपुर-302018**

| | | | |
|---|---|---|---|
| **संरक्षक** | : | जयकिशन सोकिल | **मो. 9829125428** |
| **अध्यक्ष** | : | रामप्रकाश कुमावत एडवोकेट | **मो. 9887440666** |
| **उपाध्यक्ष** | : | रामप्रकाश कुमावत (मारवाल) | **मो. 9414074376** |
| **सचिव** | : | श्रीमती भारती तोंदवाल | **मो. 9414810584** |
| **कोषाध्यक्ष** | : | लक्ष्मी नारायण घोड़ीवाल | **मो. 9549656438** |
| **सदस्य ट्रस्टी** | : | सी.एम. कुमावत (बड़ीवाल) | **मो. 9829056063** |
| | | रमेश कुमावत (गेदर) | **मो. 9414554322** |
| | | चेतन बालोदिया | **मो. 9414052736** |
| | | मोहन लाल कुमावत | **मो. 9887557425** |
| **मुख्य सलाहकार** | : | सुरेन्द्र कुमार वर्मा (नागा) | **मो. 9414994006** |
| **सलाहकार** | : | गिरधारी लाल सिंघनवाल | **मो. 9414263429** |

**सम्पादक मण्डल :** रमेश चन्द कुमावत (गैदर) सम्पादक -9414554322, जयसिंह गुड़ीवाल सह-सम्पादक 9461343432, मनीष कुमावत 9660702083, रमेश तोंदवाल 9460870125 रवि कुमावत 9829600411, लक्ष्मीनारायण सिरस्वा 9829791846, उर्वशी बालोदिया 9351680888, प्रिया मारवाल 9408093778 **पदेन सदस्य :** अध्यक्ष, सचिव एवं प्रकाशक।

**व्यवस्थापक मण्डल :** महेश चन्द जलान्धरा 9828118789, लालचन्द धुंधारिया 9413335998, सुरेन्द्र मारोठिया 9314820385, राजेश धुंधारिया 9314506330, राजेश कुमावत (मरोडिया) 9829097496, अशोक कुमावत -9352070394, श्रीमती शशि कला बालोदिया, मुकेश कारगवाल 9828606056 व राजसिंह बधानिया 9414238799 **उप-कोषाध्यक्ष :** खेमचंद खड़गटा 9829140629 **विधि सलाहकार :** राकेश कुमावत एडवोकेट 9829152561 विशेष आमंत्रित सदस्य : मनोज सिरस्वा।

**पत्रिका सहयोगी :**

**छत्तीसगढ़ :** रमेश कुमार तुनवाल **मो. 9425234397 दिल्ली :** राधेश्याम घासोलिया **मो. 9818711580 सूरत :** शुभकरण किरोड़ीवाल **मो. 9898097444 वापी :** कृष्णगोपाल **मो. 9824892299 मुम्बई :** विजय किरोड़ीवाल, **मो. 9867177188 जींद (हरियाणा) :** बलवीर सिंह वर्मा **मो. 9355322301 कोटा :** चन्द्र प्रकाश कांकर **मो. 9214983402 सीकर :** रामगोपाल भोड़ीवाल **मो. 9610784657 उदयपुर :** घनश्याम पटवा **मो. 9460913044,** जगदीश मामोडिया **मो. 9024805687 ब्यावर :** नरेन्द्र आर्य **मो. 8107944493,** रवि बेडवाल **मो. 8290303003 बगरू :** चेनसुख बड़ीवाल **मो. 9929012957 सांगानेर :** सोहनलाल अजमेरा **मो. 9636860812 इंदौर :** नेमीचंद कारवाल **मो. 9993998645 किशनगढ़ :** प्रभुदयाल तुनगरिया **9680931428**

**सदस्यता शुल्क रु. : विशिष्ठ संरक्षक- 5000, संरक्षक-3000, 10 वर्षीय-1300 एवं 5 वर्षीय-650**

**विज्ञापन दरें : अंतिम कवर पृष्ठ-3500, कवर पृष्ठ अन्दर, 3000, अन्दर 1 पृष्ठ-2500, 1/2 पृष्ठ-1300, 1/4 पृष्ठ-700**

**नोट 1 :** संरक्षक सदस्य को आजीवन (25 वर्ष) तक पत्रिका प्रेषित व 1 बार मय फोटो परिचय प्रकाशन, विशिष्ठ संरक्षक का आजीवन पत्रिका व प्रत्येक अंक में 10 वर्ष तक नाम का प्रकाशन।

**नोट 2.** 12 विज्ञापन निरन्तर देने पर 2 विज्ञापन नि:शुल्क प्रकाशित किये जायेंगे। 6 विज्ञापन निरन्तर देने पर 1 विज्ञापन नि:शुल्क प्रकाशित किया जायेगा।

**बैंक खाता : कुमावत प्रगति ट्रस्ट, संख्या 13850110020562 यूको बैंक, गांधी सर्किल, जयपुर, IFS Code : UCBA0001385**

यदि राशि सीधे बैंक खाते में स्लिप/ऑनलाइन जमा कराई गई है तो कृपया व्हाट्सएप नं. 9549656438 पर रसीद प्रेषित करें।


**स्वत्वाधिकार :** कुमावत प्रगति ट्रस्ट के लिए प्रकाशक, मुद्रक सी.एम. कुमावत द्वारा राज ब्लॉक्स, बी-81, करतारपुरा इण्डस्ट्रीयल एरिया, 22 गोदाम, जयपुर से मुद्रित एवं एफ-31-ए, एस.एल. मार्ग, लालबहादुर नगर प., दुर्गापुरा, जयपुर-302018 से प्रकाशित, सम्पादक रमेश चंद कुमावत।

## सम्पादकीय

75वें गणतंत्र दिवस पर कर्तव्यपथ पर निकाली गई परेड़ में हम सभी ने देखा की पहली बार तीनों सेनाओं में महिलाएं भारत की राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू को सलामी दे रही थी। अब हमारे देश की युवतियां पुलिस व सैन्य बलों में ही अपनी शक्ति का प्रदर्शन नहीं कर रही बल्की उद्योग, व्यापार, विज्ञान व तकनीकें, अन्तरिक्ष तथा प्रशासन में भी अपनी छाप छोड़ रही है। हमारी महिला टीमों ने अन्तर्राष्ट्रीय खेल प्रतियोगिताओं में अनेक मेडल जीतकर अपना परचम लहराया है। सरकार प्रत्येक क्षेत्र में महिलाओं को प्रोत्साहन दे रही है पर हमारे समाज को भी उनकी उन्नति तथा हर क्षेत्र में भागीदारी बढ़ाने के बारे में चेतन्य प्रयास करने होंगे।

21वीं सदी में महिलाओं की बराबरी की बात सोचनी होगी। हमें पुरानी प्रथाओं, कुरुतियों और परम्पराओं से उन्हें उभारना होगा और यह हर घर व हर समाज के प्रयासों से ही सम्भव हो पायेगा। आधी आबादी की शक्ति यदि पुरुषों के साथ कदम से कदम मिलाकर चलेगी और कार्य करेगी तो सोचिए हमारी आय दोगुणी हो जायेगी और हमारा देश आर्थिक उन्नति कर विकसित राष्ट्र बनने के प्रधानमंत्री के लक्ष्य को वर्ष 2047 से पहले अर्जित कर लेगा।

**अमेरिका व युरोपीय देश आज विकसित देश बन पाये तो उसमें वहां की महिलाओं की बराबर भागीदारी रही है।** यदि हम अपनी आधी आबादी को घर पर बैठाये रखेंगे तो क्या इन देशों से मुकाबला करते हुए वर्ष 2030 तक विश्व की तीसरी आर्थिक शक्ति बन पायेंगे।

अब बात करें **'कुमावत समाज'** की तो पायेंगे कि कुमावत समाज में बहुत कम कामकाजी महिलाएं हैं। नौकरियों में तो फिर भी इनका प्रतिनिधित्व है पर व्यापार, व्यवसाय तथा प्रोफेशन में महिलाएं कम हैं। इतनी कम भागीदारी होगी तो समाज कैसे आगे बढ़ेगा? यह स्थिति सभी के लिए सोचनीय है। इसलिए बेटियों को और अधिक पढ़ाये तथा बहुऐं जो आगे पढ़ना चाहे उसे पढ़ा-लिखा कर आगे बढ़ायें तब ही स्थिति में सुधार सम्भव होगा। **OBC की अन्य जातियों की महिलाओं की ओर देखें तो जाट, यादव, चारण, सैनी जैसी जातियों की महिलाएं आज हर क्षेत्र में छायी हुई है।** फिर विकास की इस दौड़ में हम क्यों पिछड़ रहे हैं? कहीं ऐसा न हो कि हम इतने पीछे रह जाये कि फिर आगे बढ़ने की हिम्मत ही न रहे। अब हमारे समाज में लड़कियां डॉक्टर, चार्टड एकाउन्टेट, इंजीनियर आदि बन रही हैं। लड़के भी अब शिक्षित व नौकरीशुदा लड़की से शादी की तरजीह देने लगे हैं, इससे निश्चय ही समीकरण बदलेंगे। अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस 8 मार्च के अवसर पर हमारी यही अपील है कि हमारा समाज भी लड़कियों की उच्च शिक्षा व उत्थान की दिशा में आगे बढ़ेगा जिससे विकास की दौड़ में हमारा समाज किसी से पीछे नहीं रहे।

**- रमेश चन्द कुमावत**

हमारी वेवबसाइट www.kumawatindiapatrika.in पर आप 'कुमावत इंडिया' पत्रिका के पिछले अंक व अन्य विवरण देख सकते हैं।


| | |
|---|---|
| सम्पादकीय | 3 |
| महाशिवरात्रि पर शिव | 4 |
| यूएई में पहले हिन्दु मंदिर का उद्घाटन | 5 |
| 5 विभूतियों को भारत रतन | 5 |
| रिंकू कुमावत को सर्टिफिकेट ऑफ वर्ल्ड रेकार्ड | 6 |
| कुमावत बंधुओं ने जीते गोल्ड मेडल | 6 |
| सम्मान-जनमानस के राम 2024 | 6 |
| सर्वकुमावत क्षत्रिय महासभा ने चुनाव तथा स्मारिका प्रकाशन के निर्णय लिए | 7 |
| रामनिवास कुमावत ने पुरखों की कला को बनाया केरियर | 7 |
| शाहपुरा कुमावत समाज ने सदस्यता अभियान का निर्णय लिया | 7 |
| सामूहिक विवाह सम्मेलन | 8 |
| प्रभुदयाल तूनगरिया को पतंजलि योग का तहसील प्रभारी बनाया | 8 |
| किरण ने बनाया राम मंदिर का मॉडल | 8 |
| 17 मार्च को फाग महोत्सव का होगा आयोजन | 8 |
| बिना दहेज के शादी की | 8 |
| श्री कुमावत स्कूल सोडाला, जयपुर में मनाया गणतंत्र दिवस | 9 |
| डॉ. नरेश कुमावत सम्मानित | 9 |
| धीरज वर्मा हान्या को इण्डियन पुलिस मेडल | 9 |
| 14 फरवरी पुलवामा हमले की दर्दनाक दास्तान | 9 |
| सहायक कुलसचिव परीक्षा-2022 में नीलकमल कुमावत प्रथम | 10 |
| आशुतोष कुमावत ने जीता स्वर्ण | 10 |
| चैंपियंस ऑफ चेंज अवॉर्ड पाकर गदगद हुए सोनू सूद | 10 |
| प्रभुदयाल तुनगरिया को प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष | |
| प्रहलाद मारवाल को अजमेर जिलाध्यक्ष मनोनीत | 10 |
| आगे बढ़ने की प्रबल इच्छा व प्रयास करें ईश्वर आपकी सहायता करेंगे | 11 |
| महाकवि 'सोहन लाल द्विवेदी'-जन्मदिन पर विशेष | 11 |
| पवन धनेरिया सम्मानित | 11 |
| अशोक कुमार जिला अध्यक्ष मनोनीत | 11 |
| संत शिरोमणी रैदास | 13 |
| नर्मदा जयंती पर चुनरी यात्रा | 13 |
| स्वामी दयानन्द सरस्वती-200वीं जयंति | 14 |
| प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के सह प्रभारी नियुक्त | 15 |
| मेधना कुमावत का शक्ति वंदन जिला टोली में चयन | 15 |
| अहमदाबाद में कुमावत समाज भवन का शुभारम्भ | 15 |
| स्मृति शेष : श्री चेतन लाल सिरोहिया | 16 |
| कुमावत सामूहि विवाह समिति, जयपुर 8 जोड़ों का विवाह | 17 |
| विवाह योग्य युवक-युवती परिचय सम्मेलन | 18 |
| विचार ही जीवन का निर्माण करते हैं | 19 |
| महिला दिवस पर पुरुषों की बात | 20 |
| नारी | 21 |
| राम निवास कुमावत व उनकी पत्नी मुन्नी की हत्या | 21 |
| जब गृहणियां बनी अन्नपूर्णा | 22 |
| गरिमा कुमावत असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर चयनित | 22 |
| नवीन कुमावत को डॉक्टरेट की उपाधि | 22 |
| अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस 8 मार्च | 23 |
| विशिष्ठ संरक्षक सूची व श्रद्धांजलि | 24 |
| विवाह योग्य युवक-युवतियों की सूची | 25 |
| आवश्यक सूचनाएं व पत्रिका नहीं मिलने परसम्पर्क सूत्र | 26 |
| बाल निवास में गणतंत्र दिवस मनाया | 27 |
| शिविर में 342 यूनिट रक्तदान | 27 |
| स्वामी बाबा रामदेव के पुतले का हुआ अनावरण | 28 |
| विज्ञापन | 27-30 |


# महाशिवरात्रि पर शिव

यूं तो हिन्दू धर्म में अनेक व्रत व त्यौहार हैं किन्तु शिव भक्तों के लिये महाशिवरात्रि अपने आप में एक अनोखा त्यौहार है जो महादेव व माता पार्वती की विवाह की रात्रि के रूप में मनाया जाता है।

यह पर्व शिव की साधना करने वाले भक्तों के लिए बहुत खास है। शिवरात्र से कई दिन पूर्व शिव भक्त उनकी उपासना में लग जाते हैं। शिव के अनेक नाम हैं जिनमें मुख्यत: भोलेनाथ, शिव, शंकर, महादेव, महाकाल आदि नाम से उन्हें पुकारा जाता है। शिव को भोलेनाथ कहने के पीछे यही कारण है कि वे बिना किसी दिखावे और आडंबर से दूर साधारण पूजा से ही प्रसन्न हो जाते हैं। उन्हें शिवलिंग पर जल चढ़ाकर भी प्रसन्न किया जा सकता है। 'सत्यम् शिवम् सुन्दरम्' भी स्वयं शिव का ही प्रतीक है। शिव अत्यन्त ही सादा वेशभूषा में रहते हैं। उन्हें भस्म (राख) अत्यन्त प्रिय है जिसका सीधा सा अर्थ है कि जो जन्मा है उसका अन्त निश्चित है।

शिवरात्रि के अवसर पर शिव के प्रतीक शिवलिंग की पूजा पूरे विधि-विधान से की जाती है। इस दिन आक, धतूरा, बेर, गाजर, दूध तथा भांग आदि शिव लिंग पर अर्पण कर उन्हें प्रसन्न किया जाता है।

वैसे तो शिवरात्रि, शिव व पार्वती के विवाह के रूप में मनाई जाती है, शिवजी चतुर्दशी के स्वामी हैं। इस दिन चंद्रमा, सूर्य के अधिक निकट होता है। समस्त भूतों का अस्तित्व मिटाकर परमात्मा (शिव) से आत्मसाधना करने की रात शिवरात्रि है। अत: शिवरात्रि को लोग जागरण व्रत रखते हैं। हिन्दू केलेंडरनुसार यह पर्व फाल्गुन या माघ माह के कृष्ण पक्ष के चौदहवें दिन मनाया जाता है इस दिन प्रत्यक शिवालय में '**ओम नम: शिवाय**' तथा महामृत्युंजय महामंत्र का जाप किया जाता है।

शिव की महिमा सृष्टि को संतुलित बनाए रखने से है उनकी हर कथा में एक उद्देश्य छिपा है और उनका न्याय सर्वोपरि है। सृष्टि का संचालन व विनाश शिव के हाथ में है। ऐसे शिव को हमारा साष्टांग प्रणाम।

**- भारती तोंदवाल**

# UAE में पहले हिन्दु मंदिर का उद्घाटन

14 फरवरी 2024। अबू धाबी (UAE) में पहले हिन्दु मंदिर का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा किया गया। स्वामीनारायण संस्था द्वारा तैयार कराया गया यह नागरशैली का भव्य हिन्दु मंदिर 27 एकड़ में बना है तथा 108 फीट ऊँचा है।

इस मंदिर के बाहरी भाग में बंसी पहाड़पुर (भरतपुर, राजस्थान) का गुलाबी बलुआ पत्थर लगा है। 2 लाख घनफुट पत्थर को 700 से अधिक कन्टेनरों में वहां ले जाया गया। कारीगरों ने 25000 से अधिक पत्थर के टुकड़े इसमें लगाये हैं। मंदिर में लोह सामग्री का उपयोग नहीं किया गया है। मंदिर में गोलाकार षटकोणीय आकार के खम्भे बनाये गये हैं। मंदिर के रास्ते में 96 घंटिया और गौमुख स्थापित किये गये हैं। अग्रभाग तथा भीतर उत्कृष्ट नक्काशी के साथ संगमरमर का पत्थर लगाया गया है। मंदिर में 7 गुम्बज है, जो संयुक्त अरब अमीरात के 7 अमीरों के प्रतीक हैं। इस परिसर में 7 हिन्दु देवताओं की प्राण प्रतिष्ठा हुई है जिनमें भगवान राम व माता सीता, शिव व पार्वती और गणेश व कार्तिकेय, हनुमान, जगन्नाथ, कृष्ण व राधा, श्री अक्षर पुरुषोत्तम, तिरुपति बालाजी और अयप्पा हैं। मंदिर के लिए जमीन UAE ने दान दी है। 700 करोड़ रुपये की लागत से बने इस मंदिर की उन्नत वास्तुशिल्प व भव्यता दुनिया को आकर्षित कर रही हैं। एक मुस्लिम देश में हिन्दु मंदिर बनना हमारे लिए गर्व की बात है।

# 5 विभूतियों को 'भारत रत्न'

लालकृष्ण आडवाणी | कर्पूरी ठाकुर | चौधरी चरणसिंह | पी.वी.नरसिंहराव | एम.एस.स्वामीनाथन

पहले लालकृष्ण आडवाणी फिर स्व. कर्पूरी ठाकुर और इसके बाद स्व. चौधरी चरणसिंह, स्व. पी.वी. नरसिंहराव तथा स्व.एम.एस. स्वामीनाथन को 'भारत रत्न' देने की घोषणा कर सभी को अचम्भित कर दिया। इन सभी ने अपना अतुलनीय योगदान देकर अपना जीवन समर्पित कर दिया है। देश के सर्वेच्च पुरस्कार के लिए इन्हें चयनित किया जाने पर देश के सभी हल्कों में इस कदम की सराहना हुई है।

**लालकृष्ण आडवाणी :** पहले आप आरएसएस फिर जनसंघ तथा बाद में भारतीय जनता पार्टी (भा.ज.पा.) का जाना माना चेहरा बने। भारतीय जनता पार्टी की नींव रखी। आप 1951 से अब तक एक सक्रिय राजनेता की भूमिका निभा रहे हैं।

आपका जन्म कराची के सिंधी परिवार में 8 नवम्बर 1927 में हुआ था। भारत-पाकिस्तान बँटवारे में यह परिवार पाकिस्तान से मुंबई आकर बस गया। लालकृष्ण आडवाणी ने अपने राजनीतिक सफर की शुरुआत 1942 में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आर.एस.एस.) के स्वयंसेवी के रूप में एक प्रचारक के रूप में हुई। इन्होंने आर.एस.एस. की कई शाखाएँ स्थापित की। फिर भारत पाकिस्तान के बँटवारे के बाद भारत आने पर उन्हें अलवर भेजा गया। 1952 तक उन्होने अलवर में काम करने के बाद राजस्थान के ही भरतपुर, कोटा, बूंदी, झालावाड़ तथा जयपुर जिले में काम किया। 1951 में श्याम प्रसाद मुखर्जी ने भारतीय जनसंघ की स्थापना पर ये जनसंघ से जुड़ गए। उन्हें राजस्थान में श्री एस.एस.भण्डारी के सचिव के पद पर नियुक्त किया गया। कुशल राजनीतिक होने से वे जनसंघ में जनरल सेक्रेटरी बने। 1957 में उन्होने दिल्ली की ओर रूख किया और उन्हे दिल्ली जनसंघ का अध्यक्ष नियुक्त किया गया।

1970 में राज्य सभा के सदस्य बने। अपनी पार्टी के प्रति और उनके उसूलों के प्रति वे काफी सजग थे। 1976 से 1982 तक गुजरात से राज्य सभा के सदस्य रहे। 1977 में एल. के. आडवाणी ने लोक सभा का चुनाव लड़ा। जनता पार्टी बनी व मोरारजी देसाई भारत के प्रधानमंत्री तथा एल.के.आडवाणी सूचना एवं प्रसार मंत्री एवं श्री अटल बिहारी वाजपेयी विदेश मंत्री बने।

**शेष पृष्ठ 12 पर...**

# रिंकू कुमावत को सर्टिफिकेट ऑफ वर्ल्ड रेकार्ड

टोंक के निवासी माइक्रो आर्टिस्ट रिंकू कुमावत के जीवन में खुशी की लहर व्याप्त हुई जब उन्हें 13 फरवरी 2024 को USA Book of World Record से "Certificate of world Record" मिलने की जानकारी मिली। यह अवार्ड उन्हें जेम स्टोन पर श्रीराम की (11 सेमी) की सुक्ष्मतम मूर्ति बनाने के लिए दिया गया है।

रिंकू कुमावत इससे पूर्व अनेक मूर्तियां : (1) भगवान महावीर की 3 एमएम ऊँची ×1.5 एम.एम. चौड़ी 1 कैरेट वजनी मूर्ति (2) अशोक स्तम्भ 3 एम.एम. ऊँचा × 2 एम चौड़ा डेढ़ करेट वजनी (3) गणेश जी की 3 एमएम ऊँची 1 केरेट वजनी मूर्ति (4) नटराज की 1 केरेट के मोती पर आकृति उकेरी तथा (5) उज्जैन के महाकाल की पेंसिल की नोंक पर मूर्ति आदि।

ज्ञातव्य रहे कि सुक्ष्म मूर्ति एक सधा हुआ आर्टिस्ट ही बना सकता है, जरा भी ध्यान भंग हुआ तो सारी मेहनत बेकार हो जाती है। कुमावत समाज के इस आर्टिस्ट की जितनी प्रशंसा की जाये कम है। उन्हें **Certificate of world Record** मिलने पर **'कुमावत इंडिया'** पत्रिका की ओर से रिंकू कुमावत आर्टिसट को बधाई तथा उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामना।

34वीं जयपुर जिला स्ट्रेंथ लिफ्टिंग प्रतियोगिता, 2024

# कुमावत बंधुओं ने जीते गोल्ड मेडल

18 फरवरी, 2024 को जयपुर जिला स्ट्रेंथ लिफ्टिंग प्रतियोगिता का आयोजन 'दा वर्ल्ड जिम, मनोहर पैलेस' में हुआ। कोच पवन कुमावत ने बताया कि प्रतियोगिता में (1) मयंक कुमावत 115 किलो भारवर्ग में इंक्लाइन बेंच प्रेस में 155 किलो भार उठाकर गोल्ड मेडल जीता। (2) बगरू के नन्दकिशोर कुमावत ने 60 किलो भार वर्ग में गोल्ड मेडल जीता तथा (3) फुलेरा के चेतन कुमावत एवं कालाडेरा के सुरेश कुमावत ने जयपुर स्ट्रांगमैन का खिताब जीत कर गोल्ड मेडल लिया।

मुख्य अतिथि धर्मेन्द्र बैरवा समाजसेवी ने दा वर्ल्ड जिम को नया वैटलिफ्टिंग सेट देने की घोषणा की जिसके लिए उनका आभार व्यक्त किया गया।

इन सभी ने जीत का श्रेय कोच पवन कुमावत तथा अपने माता-पिता के दिया है, जिनके कारण वे इस मुकाम पर पहुँचे है। विजेताओं को **'कुमावत इंडिया'** पत्रिका की ओर से हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामना तथा कोच एवं अन्तर्राष्ट्रीय खिलाड़ी **पवन कुमावत** के विशेष प्रयास के लिए आभार।

प्रियंका कुमावत Dy. SP से Addl. SP पदोन्नत होने पर हार्दिक बधाई।

# 'सम्मान - जनमानस के राम 2024'

आर्ट फिएस्टा, यज्ञ फाउंडेशन, मैत्रेय संस्थान संयुक्त तत्वाधान में आयोजित कार्यक्रम **'जनमानस के राम'** कला महोत्सव में बने लाइव पेंटिंग्स को जवाहर कला केंद्र की सुरेख आर्ट गैलरी में प्रदर्शित किया गया। कार्यक्रम में प्रमुख अतिथि शासन सचिव कला एवं संस्कृति गायत्री राठौड़ एवम गलता पीठाधीश्वर श्री अवधेशाचार्य थे। उनके द्वारा आर्टिस्टों का सम्मान किया गया, उसमें मुम्बई से आये श्री विजय कुमावत को भी सम्मानित किया गया।

सर्वकुमावत क्षत्रिय महासभा

# सदस्यता, चुनाव तथा स्मारिका प्रकाशन के निर्णय लिए

11 फरवरी, 2024 को सर्वकुमावत क्षत्रिय महासभा (रजि.) की कार्यकारिणी की मीटिंग बालनिवास, जयपुर में श्री रामेश्वर बम्बोरिया राष्ट्रीय अध्यक्ष की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई जिसमें निम्न निर्णय लिए गए—

1. महासभा का सदस्यता अभियान 12 फरवरी, 2024 से 31 मई, 2024 तक चलाया जाएगा, इसके प्रभारी राष्ट्रीय महामंत्री **श्री रूपसिंह कारगवाल** को नियुक्त किया गया है।

2. महासभा के पंचवर्षीय चुनाव 14 सितम्बर, 2024 से पूर्व सम्पन्न किए जाएंगे। यह चुनाव कराने के लिए **श्री रमेश गैदर** रिटायर्ड डिप्टी कमीशनर स्टेट टैक्स एवं 'कुमावत इंडिया' पत्रिका के सम्पादक को मुख्य चुनाव अधिकारी तथा **श्री शिवदयाल सोकल,** रिटायर्ड सहायक कुलसचिव, राजस्थान विश्वविद्यालय एवं **श्री पूरण जी मामोड़िया** रिटायर्ड पी.डब्ल्यू.डी. को सहायक चुनाव अधिकारी नियुक्त किया गया है।

3. महासभा की गतिविधियों के सम्बन्ध में एक स्मारिका का प्रकाशन 15 सितम्बर, 2024 को किया जाएगा जिसके लिए राष्ट्रीय संगठन एवं प्रचार मंत्री **श्री लक्ष्मीनारायण घोड़ीवाल** को प्रभारी नियुक्त किया गया है।

श्री रमेश गेदर

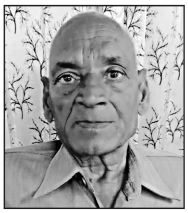
श्री शिव दयाल सोकल

श्री पूरण मामोड़िया

श्री पूरण चंद छापोला

मीटिंग में पदाधिकारीगण एवं कार्यकारिणी के सदस्य सम्मिलित हुए। **श्री पूरण चंद छापोला** पूर्व राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष एवं वर्तमान में राष्ट्रीय सलाहकार सर्वकुमावत क्षत्रिय महासभा भी उपस्थित रहे जिन्हें महासभा के लेखा ऑडिट करने का दायित्व सौंपा गया।

# रामनिवास कुमावत ने पुरखों की कला को बनाया केरियर

जयपुर में बगरू के निवासी रामनिवास कुमावत ने कोई व्यवसाय या नौकरी करने की चाह नहीं रखी और माता-पिता का अनुसरण करते हुए पुश्तैनी कला 'पिछवाई चित्रकला' में महारथ हासिल कर इसे आगे बढ़ाया जिसमें इनकी पत्नी श्रीमती पार्वती देवी का पूरा साथ दिया।

उनके परिवार में यह कला दादा-परदादा के समय से चली आ रही है तथा अब उनके पुत्र पवन ने 12वीं कक्षा के बाद अपनी पढ़ाई छोड़ी तथा पुत्री प्रियंका जो एम.ए. फाइनल की छात्रा हैं ने इस पिछवाई कला की बारीकियां सिखकर इसे अपना लिया है। आज ये प्राकृतिक रंगों से श्रीनाथजी, गणेश जी, कृष्ण आदि देवी-देवताओं की पेंटिंग अपने सदे हुए हाथों से तैयार कर विभिन्न मेले प्रदर्शनियों में इन्हें प्रदर्शित कर विक्रय करते हैं। अब तक सबसे महंगी पेंटिंग 1.20 लाख रुपए में बेच चुके हैं। कुमावत परिवार मीनिएचर व माइक्रो मीनिएचर आर्ट पर भी कार्य करता है तथा एक पेंटिंग को बनाने में दो माह भी लग जाते हैं। पुश्तैनी कला परम्परा को पीढ़ी दर पीढ़ी आगे बढ़ाने का कार्य करना इस आर्थिक युग में कम ही देखने को मिलता है। श्री रामनिवास कुमावत के परिवार को इस कला को आगे बढ़ाने के लिए धन्यवाद।

# शाहपुरा कुमावत समाज ने सदस्यता अभियान का निर्णय लिया

कुमावत छात्रावास विकास समिति, शाहपुरा की एक मीटिंग का आयोजन शिवराज ओसतवाल की अध्यक्षता में हुआ जिसमें समाज के गणमान्य लोगों की उपस्थिति रही। समाज बंधुओं ने प्रभु श्रीराम के चित्र को माल्यार्पण कर दीप प्रज्ज्वलित किया। शाहपुरा को जिला बनाने के बाद शाहपुरा में स्थित छात्रावास में बनेड़ा पंचायत समिति को शामिल करने की मांग की गई तथा शाहपुरा जिले में सदस्यता अभियान चलाने का निर्णय लिया गया। इसके संयोजक राजेन्द्र देवतवाल, सह-संयोजक कैलाश दोराया, सांवरलाल मांडेला तथा तुलसीराम देवतवाल को बनाया गया। दो माह के भीतर सदस्यता का कार्य निपटाकर सामान्य सभा बुलाकर छात्रावास कार्यकारिणी के चुनावों की घोषणा करने का निर्णय लिया गया।

समिति ने अपनी आय-व्यय का ब्यौरा इस बैठक में रखा जिसे सर्वसम्मति से अनुमोदित किया गया। अंत में धन्यवाद के साथ मीटिंग का समापन किया गया।

# सामूहिक विवाह सम्मेलन

**भंदेबालाजी :** फुलेरा दौज, 12 मार्च को 20वाँ सामुहिक विवाह का आयोजन श्री कुमावत समाज सामूहिक विवाह एवं विकास समिति भंदे बालाजी, उगरियावास जिला जयपुर द्वारा आयोजित किया जाएगा। इसके सम्पर्क सूत्र सह कोषाध्यक्ष तेजू लाल ईयाणा मो. 9982379430 हैं।

**ब्यावर :** 12 मार्च, 2024 को श्री कुमावत पंचायत सभा, ब्यावर के तत्वावधान में आयोजित किया जाएगा। सामूहिक विवाह सम्मेलन के संयोजक श्री नरेन्द्र आर्य (राहोरिया) हैं। 11 मार्च को महिला संगीत का आयोजन महिला मण्डल द्वारा सम्मेलन स्थल पर किया जाएगा। समिति ने बिन्दोरी के दौरान आतिशबाजी, नाच-कूद, रुपए की उबारनी एवं उछाल तथा किसी भी प्रकार के नशे को करना प्रतिबन्धित करने का निर्णय लिया है।

**त्रिवेणीधाम :** 17 अप्रेल, 2024 को रामनवमी के शुभ अवसर पर 15वाँ सामूहिक विवाह सम्मेलन में 21 जोड़ों का विवाह करने का लक्ष्य श्री क्षत्रिय कुमावत समाज सामूहिक विवाह एवं विकास समिति, त्रिवेणी धाम द्वारा रखा गया है। इसके लिए तीन परिचय सम्मेलन की श्रृंखला में तृतीय परिचय सम्मेलन 10 मार्च, 2024 को रखा गया है। समिति के अध्यक्ष अशोक कुमार मारवाल, पावटा ने बताया है कि विवाह शुल्क वर एवं वधू प्रत्येक से 11 हजार रुपए लेना तय किया गया है।

इसके लिए सम्पर्क सूत्र- श्री अशोक कुमावत (मारवाल) अध्यक्ष मो. 9782285020, श्री मनफूल ब्याड़वाल (साईवाड़), महामंत्री मो. 9982279012, श्री मोहनलाल बासनीवाल (कलाकार) साईवाड़ कोषाध्यक्ष मो. 9784476008, श्री जयप्रकाश तून्दवाल, अजीतगढ़ सचिव मो. 7982472211 से सम्पर्क किया जा सकता है।

## प्रभुदयाल तूनगरिया को पतंजलि योग का तहसील प्रभारी बनाया

पतंजलि योग समिति किशनगढ़ तहसील सह प्रभारी व पतंजलि योग शिक्षक प्रभुदयाल तूनगरिया ने किशनगढ़ में योग को जन-जन तक पहुंचाया।

इनकी लगन व मेहनत को देखते हुए इन्हे किशनगढ़ तहसील प्रभारी बनाया गया है। अजमेर से योगाचार्य यतीन्द्र शास्त्री मुख्य जिला संयोजक, सुनील जोशी सह जिला संयोजक (भारत स्वाभिमान न्यास, अजमेर), सुशांत ओझा जिला प्रभारी, लक्ष्मण सिंह चौहान सह जिला प्रभारी (पतंजलि योग समिति), नीरज आर्य जिला प्रभारी (युवा भारत) सभी ने माला पहनाकर किशनगढ़ प्रभारी पद का दायित्व दिया। बधाई।

## किरण ने बनाया राम मंदिर का मॉडल

गांव रोजदा निवासी नरेश कुमावत की पुत्री किरण कुमावत ने अयोध्या के राम मंदिर का मॉडल बनाकर अपनी योग्यता का परिचय दिया है। किरण सरना चौरडा गांव में महात्मा गांधी अंग्रेजी स्कूल में नवीं कक्षा में अध्ययनरत है। राम मंदिर का मॉडल बनाने के लिए लकड़ी, पुट्ठे व लुग्दी का उपयोग किया है। इस नन्हीं प्रतिभा की कलाकारी देखकर सभी आश्चार्यचकित हैं। किरण कुमावत ने बताया कि इस मॉडल को बनाने में उसे 1 सप्ताह का समय लगा। किरण के पिता नरेश कुमावत ने बताया कि किरण में सदैव कुछ नया करने की ललक रही है। उसने स्कूल से आने के बाद अतिरिक्त समय में अयोध्या राम मंदिर का मॉडल बनाया है।

## 17 मार्च को फाग महोत्सव का होगा आयोजन

होली आने में महीने भर से ज्यादा का समय है। लेकिन गुलाबी नगरी के कुमावत समाज की संस्थाओं में होली की खुमारी अभी से चढ़ गई है। अखंड कुमावत नारी युवा शक्ति, जयपुर द्वारा फाग महोत्सव बैठक का आयोजन किया गया जिसमें अनिता छाबलिया, रेखा गैदर, अंजू आशीवाल, हेमलता कुमावत, आशा दम्बीवाल, भावना दम्बीवाल, रेनू कुमावत, ललित कुमावत, किरण कुमावत, सुनीता जालवाल, राखी कुमावत व रोहिणी कुमावत मौजूद रही। बैठक में तीसरा फाग महोत्सव **17 मार्च को बाबुल पैरेडाईज, मांग्यावास, मानसरोवर मेट्रो स्टेशन के पास, जयपुर** में दोपहर 12 बजे से 5 बजे तक आयोजित करने का निर्णय लिया गया। अध्यक्ष संतोष बालोदिया ने बताया कि फाग उत्सव की परम्परा लुप्त होती जा रही है, इसे जीवित रखने व संस्कृति को संरक्षित करने का प्रयास समिति द्वारा किया जा रहा है।

## बिना दहेज के शादी की

डॉ. संजय कुमावत पुत्र श्री कृष्णकुमार घोड़ेला (प्रधानाध्यापक) निनाण का मोनिका पुत्री दलिप सिंह खटावलिया (राज. पुलिस) के साथ विवाह सम्पन्न हुआ। जिसमें दुल्हन के पिता ने 2 लाख 21 हजार रुपए थाली में दहेज के लिए रखे थे। किन्तु दुल्हे के पिता श्री कृष्ण कुमार ने 1 रुपया व नारियल ही लिया तथा समाज को संदेश दिया कि दहेज प्रथा जैसी कुरुतियों को समाज से हटाया जाना चाहिए। पढ़े-लिखे तथा समझदार परिवार का कर्तव्य है कि वो श्री कृष्ण कुमार की तरह दहेज प्रथा तथा अन्य सामाजिक बुराइयों से विरत रहे और समाज को आगे बढ़ाने का कार्य करे।



Created by Universal Document Converter

# श्री कुमावत स्कूल सोडाला, जयपुर में मनाया गणतंत्र दिवस

26 जनवरी, 2024 को 75वें गणतंत्र दिवस का आयोजन श्री कुमावत क्षत्रिय उच्च माध्यमिक विद्यालय में भी किया गया। इस अवसर पर अतिथियों के रूप में महिलाओं को आमंत्रित कर एक अच्छी पहल की गई। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्रीमती सुशीला निमीवाल तथा विशिष्ट अतिथि श्रीमती मनभर देवी अनावड़िया, श्रीमती मधुलिका कुमावत एवं श्रीमती मायादेवी राणोलिया थी। प्रधानाचार्य के साथ अतिथि महिलाओं ने ध्वजारोहण किया। महिला अतिथियों का माला एवं शॉल पहनाकर सम्मान किया गया। जिसके लिए अतिथियों ने कुमावत बाल शिक्षा समिति का आभार व्यक्त किया। आज नारी प्रत्येक क्षेत्र में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर रही है तथा पुरुषों का साथ देते हुए आगे बढ़ रही है। कुमावत समाज में भी महिलाएं चाहे प्रशासनिक सेवाएं हों या व्यवसाय प्रत्येक क्षेत्र में आगे बढ़ रही हैं। ऐसे में महिलाओं को आमंत्रित कर समिति ने अच्छा संदेश दिया है।

समारोह में शिक्षा समिति के पदाधिकारियों के अतिक्ति समाज के अनेक गणमान्य लोग उपस्थित थे।

## डॉ. नरेश कुमावत सम्मानित

प्रदेश में बेहतर चिकित्सा सेवा देने के लिए एसएमएस अस्पताल, जयपुर के वरिष्ठ अस्थमा एवं श्वास रोग विशेषज्ञ डॉ. नरेश कुमार कुमावत को 75वें गणतंत्र दिवस समारोह के अवसर पर चिकित्सा निदेशालय में राज्य स्तरीय सम्मान से सम्मानित किया गया।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से डॉ. नरेश कुमार कमावत को बधाई।

## धीरज वर्मा हान्या को इण्डियन पुलिस मेडल

राजस्थान पुलिस एकेडमी, जयपुर में पदस्थापित श्री धीरज वर्मा (हान्या) को इण्डियन पुलिस मेडल से 75वें गणतंत्रि दिवस समारोह के अवसर पर सम्मानित किया गया है। श्री हान्या पुलिस एकेडमी में पुलिस अधिकारियों एवं कार्मिकों को प्रशिक्षण देने का कार्य लम्बे समय से कर रहे हैं।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से धीरज वर्मा को बधाई।

# 14 फरवरी पुलवामा हमले की दर्दनाक दास्तान

भारतीय सुरक्षा बल के इतिहास का सबसे काला दिन 14 फरवरी सन् 2019 भारतवर्ष के लिए कभी ना भूल पाने वाला दिन बन गया। इस दिन हमारी सेना ने अपने 40 जवान आतंकी हमले में खो दिए थे। यह दिन एक दु:खद दिवस अर्थात् ब्लैक डे के रूप में हमारे दिलों पर एक जख्म दे गया।

14 फरवरी को जब दुनियां बेलेन्टाइन डे मनाने में व्यस्त थी उसी दिन शाम को करीब 3.30 बजे राष्ट्रीय राजमार्ग NH-44 पर 2500 जवानों को ले जा रही करीब 78 बसों के काफिले पर आतंकी आदिल अहमद डार ने RDX विस्फोटक से भरे वाहन से टक्कर मार कर आत्मघाती हमला किया था। जिसमें हमने अपने सीआरपीएफ के 40 जवानों को खो दिया। यह देश की अस्मिता पर सीधा हमला था। इस दु:खद दिन को हम कभी नहीं भुला सकते। वह धमाका इतना जबर्दस्त था कि कुछ ही सैकंडों में सब धुंआ-धुंआ हो गया और जब धुंआ छंटा तो जो भयावह दृश्य सामने था उसे देख पूरा देश रो पड़ा। इस घटना के बाद पूरे देश में हाहाकार मच गया। शहीदों के परिजनों व देशवासियों के लिए यह बहुत बड़ी क्षति थी जिसकी भरपाई कभी नहीं की जा सकती। इस हमले की जिम्मेदारी पाकिस्तानी आतंकवादी संगठन जैश-ए-मुहम्मद ने ली थी।

यह हमला कर देश के दुश्मनों के द्वारा हमारे हौंसलों को तोड़ने की साजिश रची थी पर भारत ने इस घिनौनी हरकत का दुश्नम को ऐसा करारा जबाव दिया कि वे फिर सिर उठाने के काबिल नहीं रहे। हमारे सुरक्षाबलों ने साबित कर दिया कि भारत अपनी सीमाओं और सम्प्रभुता की रक्षा के लिए यदि आवश्यकता पड़े तो दुश्मन को उसके घर में घुसकर भी मार सकता है और 26 फरवरी, 2019 को हमारी सेना के वीर जवानों ने बालाकोट में एयर स्ट्राइक की। इस घटना के महज 12 दिनों के अन्दर ही ''नापाक'' पाक से इस हरकत का बदला ले लिया।

पुलवामा में हमारे जवानों पर हमला कर जो घृणित हरकत पाकिस्तान ने की उससे देश की जनता और भारतीय सेना में जो गुस्सा ओर आक्रोश था, बालाकोट सर्जिकल स्ट्राइक उसी का प्रतिकार था। इस सर्जिकल स्ट्राक में 26 फरवरी 2019 को तड़के 3.30 बजे भारतीय सेना ने पकिस्तान के घर में घुसकर जैश-ए-मुहम्मद के कैम्प को धाराशायी कर करीब 350 आतंकवादियों को ढेर कर दिया। इस प्रकार भारतीय सेना ने यह साबित किया कि उनकी ताकत और काबिलियत को चुनौती देने वालों को इसकी कितनी भारी कीमत चुकानी पड़ सकती है। पुलवामा में शहीद हुए वीरों को देश सदैव अपनी यादों में संजो कर जीवंत रखेगा। नमन है भारत की सेना को, धन्य है हमारे वीर जवान तथा गर्व है हमें अपने देश की सुरक्षा प्रणाली पर। **जयहिन्द।**

**- उर्वशी बालोदिया**



Created by Universal Document Converter

## सहायक कुलसचिव परीक्षा-2022 में नीलकमल कुमावत प्रथम

मंदसौर के नीलकमल कुमावत मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग द्वारा आयोजित सहायक कुलसचिव परीक्षा-2022 की चयन सूची में प्रथम स्थान प्राप्त कर कुमावत समाज का गौरव बढ़ाया है। इन्होंने M.Sc.(गणित) की परीक्षा भी प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण की थी।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से नीलकमल कुमावत के मैरिट सूची में प्रथम आने पर हार्दिक बधाई।

## आशुतोष कुमावत ने जीता स्वर्ण

नेपाल के काठमांडु में साउथ एशियन चैम्पियनशिप में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए श्री माधोपुर के श्री आशुतोष कुमावत ने कुमाइट कराटे में एक स्वर्ण तथा काता में एक कांस्य पदक जीता। आशुतोष का 95 किलो भार वर्ग में पाकिस्तान से 6 अंकों से मैच जीतकर भारत को स्वर्ण पदक दिलाया। उन्होंने कराटे काता में कांस्य पदक भी जीता।

## चैंपियंस ऑफ चेंज अवॉर्ड पाकर गदगद हुए सोनू सूद

हर साल की तरह इस साल 30 जनवरी की रात को मुंबई में चैंपियंस ऑफ चेंज अवॉर्ड्स 2024 महाराष्ट्र के पांचवे संस्करण का आयोजन मुंबई में हुआ। यह अवॉर्ड्स शिक्षा, सामाजिक विकास, राष्ट्रीय एकता, स्वास्थ्य देखभाल और अपने-अपने फील्ड में (खेल, सिनेमा आदि) भारतीय मूल्यों को बढ़ावा और योगदान देने को लिए दिया जाता है। इस दौरान अपने फील्ड में विशेष योगदान देने वाली हस्तियों को इस खास सम्मान से नवाजा गया है।

सीओसी की विनर लिस्ट में इस बार सोनू सोदू का नाम भी शामिल रहा है। उन्होंने अपने ऑफिशियल इंस्टाग्राम हैंडल पर अवॉर्ड सेरेमनी की कुछ तस्वीरें पोस्ट की हैं और लिखा है- भारत के 37वें माननीय मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ती केजी बालकृष्णन और न्यायमूर्ती ज्ञानसुधा मिश्रा की तरफ से दिए जाने वाले चैंपियंस और चेंज अवॉर्ड महाराष्ट्र को पाकर काफी सम्मानित महसूस कर रहा हूं। मैं समाज और फिल्म उद्योग की बेहतरी में अपना शत प्रतिशत योगदान देना हमेशा जारी रखने के लिए एक्साइटेड हूं।

सर्व कुमावत क्षत्रिय महासभा की किशनगढ़ में मीटिंग

## प्रभुदयाल तुनगरिया को प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष प्रहलाद मारवाल को अजमेर जिलाध्यक्ष मनोनीत

1 फरवरी 2024 को किशनगढ़ प्रवास के दौरान सर्व कुमावत क्षत्रिय महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष, महामंत्री व संस्थापक सदस्यों ने किशनगढ़ में मीटिंग की जिसमें निम्न निर्णय लिए गए-

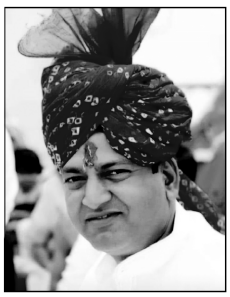

**श्री प्रभुदयाल तुनगरिया** को सर्व कुमावत क्षत्रिय महासभा राजस्थान प्रदेश वरिष्ठ उपाध्यक्ष मनोनीत किया गया।

**श्री प्रहलाद मारवाल** को सर्व कुमावत क्षत्रिय महासभा, अजमेर जिले का जिला अध्यक्ष मनोनीत किया गया।


**कुमावत इण्डिया पत्रिका मासिक का प्रकाशन वक्तव्य**

| | | |
|---|---|---|
| 1. | प्रकाशन का स्थान | : जयपुर (राजस्थान) |
| 2. | प्रकाशन की अवधि | : प्रतिमाह 21 तारीख |
| 3. | मुद्रक का प्रकाशक का नाम | : **छीतर मल कुमावत** |
| | राष्ट्रीयता | : भारतीय |
| | पता | : एफ 31ए, एस एल मार्ग, लाल बहादुर नगर प., दुर्गापुरा, जयपुर 302018 |
| 4. | सम्पादक का नाम | : **रमेश चन्द कुमावत** |
| | राष्ट्रीयता | : भारतीय |
| | पता | : ई-45एबी, लाल बहादुर नगर-प., दुर्गापुरा, जयपुर-302018 |
| 5. | मुद्रक का नाम | : **चेतन बालोदिया** |
| | राष्ट्रीयता | : भारतीय |
| | पता | : राज ब्लॉक्स, बी 81, करतारपुरा इंडस्ट्रीयल एरिया, जयपुर |
| 6. | उन व्यक्तियों के नाम व पते जो पत्र के स्वामी हैं | : **कुमावत प्रगति ट्रस्ट,** एफ 31/ए, एस.एल. मार्ग, लाल बहादुर नगर-प., दुर्गापुरा, जयपुर-302018 |

मैं **छीतर मल कुमावत** एतद्द्वारा घोषित करता हूँ कि मेरी अधिकतम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार ऊपर दिया विवरण सही है।

दिनांक : 21 फरवरी, 2024 **-छीतर मल कुमावत, प्रकाशक**




Created by Universal Document Converter

# आगे बढ़ने की प्रबल इच्छा व प्रयास करें ईश्वर आपकी सहायता करेंगे

जो मनुष्य आगे बढ़ने की तीव्र इच्छा करते हैं, उन्नति के लिए सच्चे हृदय से जो पूर्ण रूप से प्रयत्नशील है, उनके प्रशंसनीय उद्योग को देखकर ईश्वर प्रसन्न होता है, उसे वह अपना सच्चा आज्ञापालक समझ कर प्यार करता है और आशीर्वाद देता हैं।

जैसे परिवार में छोटा बच्चा जब घुटनों चलता है, तो माता उसे खड़ा होकर चलना सिखाती है। वह मिठाई का टुकड़ा जरा ऊँचा रखकर दिखाती है, ताकि बालक उसे लेने के लिए पैरों के बल खड़ा हो जाए। जब खड़ा होना सीख जाता है तो फल, मिठाई, खिलौना आदि का लालच देकर पैरों के बल चलना सिखाती है और बच्चे को प्रोत्साहित करती है, इसमें उसका यह उद्देश्य छिपा रहता है कि बच्चा घुटनों चलना छोड़कर खड़ा होना और पैरों के बल चलना सीखें, उन्नति करने की यात्रा को जारी रखें।

इसी प्रकार परमात्मा ने हमें धन, विद्वता, बल, पदवी आदि के लालच इसलिए उपस्थित किए हैं कि उनको पाने के लिए हम घोर प्रयत्न करें और उस प्रयत्न के साथ - साथ अपनी मनोभूमि को उन्नत, बलवान विकसित बनाएं ।

एक प्रसिद्ध कहावत है कि- **'ईश्वर उसकी मदद करता है, जो अपनी मदद आप करता है।'** उन्नतिशील स्वभाव के लोगों को, उनकी उचित प्रवृत्ति में सहायता करने के लिए परमपिता परमात्मा ऐसे साधन उपस्थित कर देता है जिससे उसकी यात्रा सरल हो जाती है। अचानक, अनिश्चित एवं अज्ञात सहायता का मिलना, इसी प्रकार संभव होता है। बाइबिल का वचन है कि **'जो माँगता है, उसे दिया जाता है, जो द्वार खटखटाता है, उसके लिए खोला जाता है।'** रामचरितमानस कहता है कि- **'जेहि कर जेहि पर सत्य सनेहू। सो तेहि मिलहि न कछु संदेहूं।'** यह विश्व प्रभु की सर्वांगपूर्ण कृति है, यहाँ किसी वस्तु का अभाव नहीं है। सब कुछ प्राप्त किया जा सकता है, बशर्ते कि पाने को उत्कट लालसा के साथ तीव्र प्रयत्न भी हो।

**राम प्रकाश कुमावत ( मारवाल )**
433A, सूर्य नगर, गोपालपुरा बाईपास, जयपुर

## महाकवि 'सोहन लाल द्विवेदी'-जन्मदिन पर विशेष

हिंदी भाषा के सशक्त हस्ताक्षर कवि सोहन लाल द्विवेदी का जन्म 22 फरवरी 1906 को उत्तर प्रदेश के फ़तेहपुर में हुआ था। उनकी रचनाओं में महात्मा गांधी के प्रतिबिम्ब नज़र आते हैं। राष्ट्रीयता से ओत-प्रोत कविताएं लिखने के कारण इन्हें राष्ट्रकवि की उपाधि दी गयी। द्विवेदी जी ने कई बाल कविताएं भी लिखीं और बालसखा का सम्पादन किया। 1 मार्च 1988 को उनका निधन हो गया। पढ़ें उनकी लिखी उत्साहवर्धक कविता-

लहरों से डर कर नौका पार नहीं होती।
कोशिश करने वालों की हार नहीं होती।।
नन्हीं चींटी जब दाना लेकर चलती है।
चढ़ती दीवारों पर, सौ बार फिसलती है।।
मन का विश्वास रगों में साहस भरता है।
चढ़कर गिरना, गिरकर चढ़ना न अखरता है।।
आखिर उसकी मेहनत बेकार नहीं होती।
कोशिश करने वालों की हार नहीं होती।।
डुबकियां सिंधु में गोताखोर लगाता है।
जा जा कर खाली हाथ लौटकर आता है।।
मिलते नहीं सहज ही मोती गहरे पानी में।
बढ़ता दुगना उत्साह इसी हैरानी में।।
मुट्ठी उसकी खाली हर बार नहीं होती।
कोशिश करने वालों की हार नहीं होती।।
असफलता एक चुनौती है, स्वीकार करो।
क्या कमी रह गई, देखो और सुधार करो।।
जब तक न सफल हो, नींद चैन को त्यागो तुम।
संघर्ष का मैदान छोड़ मत भागो तुम।।
कुछ किये बिना ही जय जय कार नहीं होती।
कोशिश करने वालों की हार नहीं होती।।

## पवन धनेरिया सम्मानित

साँवेर निवासी पवन धनेरिया को गणतंत्रता दिवस के अवसर पर सीएम हेल्पलाइन अंतर्गत सम्पूर्ण मध्य प्रदेश में सांवेर जनपद पंचायत को शिकायतों के संतुष्टि पूर्वक निराकारण पर 99.72% प्राप्त होने पर सम्मानित किया गया। इस अवसर साँवेर कुमावत तहसील अध्यक्ष सुनील धनेरिया, दिलीप चौधरी, नेमीचंद कारवाल, उज्ज्वल धनेरिया, रमेश चन्द्र धनेरिया, कुलदीप मेरावण्डिया, आदि ने बधाई दी है। **'कुमावत इंडिया'** पत्रिका की ओर से भी बधाई।

## अशोक कुमार जिला अध्यक्ष मनोनीत

सर्वकुमावत क्षत्रिय महासभा रजि. द्वारा श्री अशोक कुमावत (मारवाल) निवासी पावटा को कोटपूतली बहरोड जिला का जिलाध्यक्ष मनोनीत किया गया है। **'कुमावत इंडिया'** पत्रिका की ओर से श्री अशोक कुमावत को बधाई।



Created by Universal Document Converter

**5 विभूतियों को...** **पृष्ठ 5 से आगे**

अटलजी की अध्यक्षता में पार्टी में हिन्दुत्व की भावना और अधिक प्रज्वलित हुई। 1984 के चुनाव के कुछ समय पहले इन्दिरा गांधी की अचानक हत्या के बाद बीजेपी को सिर्फ दो लोक सभा सीटों से ही संतोष करना पड़ा। एल.के.आडवाणी को नया अध्यक्ष घोषित किया गया। आडवाणी के नेतृत्व में भाजपा ने 'राम जन्मभूमि' का मुद्दा उठाया।

एन.डी.ए. सरकार फिर एक बार 1998 में लौट कर आई और वाजपेयी जी मार्च 1998 में फिर एक बार प्रधानमंत्री बने। लेकिन 13 महीने बाद ही एन.डी.ए. से जयललिता ने अपना समर्थन वापस ले लिया तथा सरकार गिर गई। इसके बाद एन.डी.ए. सरकार बनी जो 2004 तक रही और इस दौरान आडवाणीजी के 'भारत के उप-प्रधानमंत्री' बने।

**आडवाणी जी की रथ यात्राएं :** देश की राजनीति में सर्वाधिक यात्राएं निकालने वाले आडवाणी ही एकमात्र नेता हैं। उनके नेतृत्व में 6 बड़ी-बड़ी यात्राएं हुई, जिन्होंने भाजपा को राजनीति में बहुत मदद की। यात्राओं के सफल होने का श्रेय एल.के. आडवाणी को ही जाता है। पहली रथ यात्रा 'राम रथ यात्रा' सोमनाथ मंदिर से 1990 में प्रारम्भ हो कर अयोध्या पहुंची। इस यात्रा का मुख्य मुद्दा 'राम मंदिर निर्माण' था।

2009 चुनाव हारने के बाद एल.के. आडवाणी ने पार्टी के दूसरे नेताओं के लिए रास्ता साफ किया और पार्टी में ज्यादा सक्रिय नही हुए। 2014 में एल.के. आडवाणी को बी.जे.पी. के मार्गदर्शक मण्डल में शामिल किया गया।

श्री एल.के.आडवाणी भाजपा के वरिष्ठ नेता हैं। उन्होने पार्टी के लिए हमेशा अपना अनुभव तथा योगदान दिया। उनका भाजपा के प्रति किया गया समर्पण ही भाजपा को इस मुकाम तक लाया है। आडवाणीजी एक कुशल नेता हैं। उन्हे 2015 में पद्म विभूषण पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया था।

**नेता कर्पूरी ठाकुर :** सबसे बड़े समाजवादी नेता तथा ईमानदारी के प्रयाय कर्पूरी ठाकुर को उनके 100वें जन्मदिन की पूर्व संध्या पर मरणोपरांत भारत रत्न पुरस्कार दिए जाने की घोषणा कई लोगों के लिए आश्चर्य की बात रही, क्योंकि लंबे समय से यह मांग की जा रही थी।

बिहार के समस्तीपुर में 24 जनवरी, 1924 को जन्मे ठाकुर कॉलेज में पढ़ाई के दौरान भारत छोड़ो आंदोलन से जुड़े थे। वह जयप्रकाश नारायण (जेपी) के संपर्क में आये। ठाकुर, बिहार के सबसे बड़े समाजवादी नेता थे और उन्होंने अपने पूरे राजनीतिक जीवन में कांग्रेस विरोधी राजनीति की।

एक ओजस्वी एवं प्रखर वक्ता के रूप में उन्हें जाना जाता है। उन्होंने पिछड़ों के लिए कहा कि धरती और राजपाट में 90 भाग हमारा है। अधिकार चाहो तो लड़ना सिखो, पग-पग पर अड़ना सिखो तथा जीना है तो मरना सिखो।

1967 से 1979 के बीच उपमुख्यमंत्री, शिक्षा मंत्री और मुख्यमंत्री के रूप में उनके कुछ फैसले ऐतिहासिक और विवादास्पद थे। उन्होंने मैट्रिक तक मुफ्त स्कूली शिक्षा शुरू की, आधिकारिक कार्यों से अंग्रेजी को हटा दिया और मैट्रिक परीक्षा में विषय को वैकल्पिक बना दिया।

उन्होंने ही मुंगेरी लाल आयोग की सिफारिशों के अनुसार सरकारी नौकरियों में अत्यंत पिछड़ा वर्ग (ईबीसी) के लिए 12 प्रतिशत और अन्य पिछड़ा वर्ग (ओबीसी) के लिए आठ प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान किया। इसके अलावा महिलाओं और आर्थिक रूप से पिछड़ी सवर्णों को भी 3.3 प्रतिशत आरक्षण दिया गया।

उन्होंने ही बिहार की राजनीति में सामंती सवर्णों का आधिपत्य तोड़ा था। उन्हें जन नायक (लोगों का नायक) नाम दिया गया क्योंकि वे अकेले ही विशाल विरोध प्रदर्शन आयोजित करने में सक्षम थे। इसके बावजूद भी अपने परिवार के लोगों को राजनीति में लाने के पक्षधर नहीं थे।

**स्व. चौधरी चरणसिंह :** मेरठ के एक किसान परिवार में जन्मे चौधरी चरणसिंह वर्ष 1930 में गांधीजी के आह्वान पर सवनिय अवज्ञा आन्दोलन में शामिल हुए। वे दो बार उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री तथा केन्द्र की सरकार में उप प्रधानमंत्री रहे। इस दौरान उन्होंने राष्ट्रीय कृषि व ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) की स्थापना की। 28 जुलाई, 1979 से 14 जनवरी, 1980 तक वे देश के प्रधानमंत्री रहे। उन्होंने किसानों के अधिकार व कल्याण के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया। उन्होंने हमेशा राष्ट्र निर्माण को गति दी। 1975 में आपातकाल का विरोध किया, लोकतंत्र के प्रति उनकी प्रतिबद्धता देश को प्रेरित करने वाली रही। उत्तर प्रदेश तथा पड़ौसी राज्यों में वे किसानों के सबसे बड़े सर्वमान्य नेता रहे हैं।

**पी.वी.नरसिंह राव :** देश के भू.पू. प्रधानमंत्री स्व. पी.वी. नरसिंह राव को मणोपरांत 'भारत रत्न' देने की केन्द्र सरकार ने घोषणा की है। पी.वी. नरसिंह राव का 28 जून 1921 को करीमनगर आन्ध्रप्रदेश में जन्म हुआ। उन्होंने हैदराबाद, मुम्बई और नागपुर से पढ़ाई की। वे वर्ष 1957 से 1977 तक आंध्रप्रदेश के विधायक रहे। इस बीच वे वहां मंत्री रहे तथा वर्ष 1971-73 में वे मुख्यमंत्री रहे। वर्ष 1977-84 तक लोकसभा के लिए निर्वाचित हुए। उन्हें केन्द्र सरकार में विदेश, गृह, रक्षा तथा मानव संसाधन विकास विभाग का मंत्री बनाया गया। 20 जून, 1991 से 16 मई 1996 तक वे भारत के प्रधानमंत्री रहे। उन्होंने मनमोहन सिंह, अर्थशास्त्री को वित्त मंत्री बनाया। देश में उदारीकरण का प्रारम्भ उनके कार्यकाल से प्रारम्भ हुआ तथा देश की अर्थव्यवस्था को सम्भालने का महत्वपूर्ण कार्य हुआ। उनका दूरदर्शी नेतृत्व भारत को आर्थिक रूप से उन्नत बनाने और समृद्ध भारत की दिशा में एक नींव रखने में सहायक रहा। भारत के वैश्विक बाजारों को खोलकर आर्थिक विकास के नये युग का सूत्रपात किया। इनके कार्यकाल में भारत का सांस्कृतिक एवं बौद्धिक विकास भी हुआ।

**स्व. डॉ. एम.एस. स्वामीनाथन :** भारत के आनुवांशिक वैज्ञानिक डॉ. एम.एस. स्वामीनाथन को हरित क्रांति का जनक माना जाता है। इन्होंने चुनौतीपूर्ण समय में कृषि के क्षेत्र में भारत को आत्मनिर्भर बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। उनके दूरदर्शी नेतृत्व ने देश में गेहूँ व चावल की खेती में सुधार करके खाद्य सुरक्षा और समृद्धि सुनिश्चित की।

भारतीय कृषि की विविधता, परम्परागत खेती भूमि की उर्वरा शक्ति का अध्यन कर शोध किया। उन्होंने कृषि चिंतन का स्वरूप बदला और नवीन तकनीकें के जरिये खेती में लाभकारी परिवर्तन किये।

उन्हें 1967 में पद्मश्री, 1972 में पद्मभूषण, 1989 में पद्मविभूषण से सम्मानित किया गया। वर्ष 1924 में उनके अभूतपूर्व योगदान के लिए मरणोपरांत 'भारत रत्न' देने की घोषणा की गयी है।



Created by Universal Document Converter

# संत शिरोमणी रविदास ( रैदास )

रविवार, माघ पूर्णिमा, सन् 1377 ई. में गोवर्धनपुर, गांव वाराणसी, उत्तर प्रदेश में संत शिरोमणी रविदास का जन्म माता कर्मादेवी (कलसा) तथा पिता संतोख दास (रग्घु) के यहां हुआ था। वे चर्मकार जाति से थे और परिश्रम व खुशी से जूते बनाने का कार्य करते थे। तब भारत में इस्लाम का शासन था। मुस्लिम शासकों के अत्याचारों से गरीबी, भ्रष्टाचार और अशिक्षा व्याप्त थी तथा धर्मान्तरण का बोलबाला था। संत रविदास जिन्हें रैदास, रोहिदास, रायादास, रेमदास के नाम से भी जाना जाता था, तब उन्होंने दोहों व पदों की रचना कर जातिगत भेदभाव भुलाने और सामाजिक एकता व मानवीय मूल्यों पर बल दिया। उनकी दयालुता, शिष्टता, विनम्रता तथा विद्ववता से समाज प्रभावित था तथा दूर-दूर तक उनके अनुयायी बन गये। उनका निधन सन् 1528 में वाराणसी में हुआ।

संत रविदास ने अपने पदों में तत्कालीन समाज की बुराइयों को चिह्नित करते हुए लिखा था कि-

**''रैदास जन्म के कारने होत न कोई नीच,**
**नर कू नीच कर डारी है, ओछे करम की नीच।''**

अर्थात व्यक्ति अपने कर्म से नीच होता है, जन्म से नहीं। जो व्यक्ति गलत काम करता है वो नीच होता है।

उन्होंने ब्रज भाषा प्रयुक्त की जिसमें अवधि, राजस्थानी, खड़ी बोली व उर्दू-फारसी के शब्दों का मिश्रण था, जो जनसाधारण की भाषा थी। उनके पद इतने महत्वपूर्ण थे कि उनमें से 40 पद **'गुरुग्रन्थ साहब'** में शामिल किये गये। वे रामानन्द वैष्णवाचार्य के शिष्य थे तथा कबीर उनके गुरुभाई थे। उनके अनुयायी सभी वर्गों के बने। राजस्थान की **संत मीराबाई** उनसे बहुत प्रभावित थी और उनकी शिष्या बन गई।

मीरा के इस पद से उनके गुरु का पता चलता है—

**''गुरु मिलिआ संत गुरु रविदास जी,**
**दीन्ही ज्ञान की गुटकी।**
**मीरा सत गुरुदेव की करै वंदा आस।**
**जिन चेतन आतम कहया**
**धन भगवन रैदास...।''**

चित्तौड़ में संत रविदास की छतरी भी बनी हुई हैं। वाराणसी में उनका भव्य मंदिर बना है जहां हजारों भक्त आते हैं। वे सदैव बुद्धि व ज्ञान की बात करते तथा शिक्षा के लिए प्रेरित करते।

उन्होंने **'रविदासीया'** पंथ की स्थापना की तथा जात-पात का घोर खंडन किया और आत्मज्ञान का मार्ग दिखाया। उनकी वाणी में भक्ति की सच्ची भावना, समाज के व्यापक हित की कामना तथा मानव प्रेम का समावेश होता था। उनका कहना था-

**''ब्राह्मण मत पूजिये, जो होवे गुणहीन**
**पूजिये चरण चंडाल के जो होवे गुण प्रवीण।''**
**''मन ही पूजा मन ही धूप, मन ही सेऊं सहज स्वरूप''**

उनका कहना था कि यदि सही है तो इस कठौते के जल में ही गंगा स्नान का पुण्य प्राप्त हो सकता है। इसके बाद कहावत प्रचलित हो गई कि—**''मन चंगा तो कठौती में गंगा।''** रैदास स्वयं मधुर एवं भक्तिपूर्ण भजनों की रचना भाव विहोर होकर सुनाते थे।

उनका विश्वास था कि ईश्वर की भक्ति के लिए सदाचार, परहित की भावना तथा सद्व्यवहार जरूरी है। ईश्वर की भक्ति बड़े भाग्य से प्राप्त होती है तथा अभिमान से रहित रहने पर ही जीवन में सफलता मिलती है। कबीर ने **'संतन में रविदास'** कहकर मान्यता दी।

उनके आचरण एवं व्यवहार से यह स्पष्ट हो गया कि व्यक्ति अपने जन्म एवं व्यवसाय से महान नहीं बनता बल्की उसमें रैदास जैसे गुण होने चाहिए। आज भी रैदास (रविदास) के उपदेश समाज के कल्याण व उत्थान के लिए उतने ही उपयोगी हैं जितने उनके जीवनकाल में थे। ऐसे महान संत को शत शत नमन। - **संकलन : पत्रिका टीम**

## नर्मदा जयंती पर चुनरी यात्रा

हर वर्ष की तरह मां नर्मदा जयंती के शुभ अवसर पर मां नर्मदा जी की चुनरी यात्रा मध्यप्रदेश, इंदौर से विवेकानंद साधना केंद्र, आश्रम खेड़ी घाट से होती हुई मां नर्मदा जी के तट मोर्टक्का खेड़ी घाट पर पहुंची। मां नर्मदा जी को नाव द्वारा चुनरी उड़ाई गई। बड़े ही हर्ष, उल्लास व आनंद के साथ धूमधाम के इस शुभ अवसर पर श्री क्षत्रिय कुमावत समाज, इंदौर के संरक्षक श्री दिलीप सिंह वर्मा जी एवं उनकी धर्मपत्नी और कुमावत समाजजन भी शामिल थे सभी ने नर्मदा जयंती और मैया जी की चुनरी यात्रा का बहुत ही आनंद लाभ लिया और मां नर्मदा जी से आशीर्वाद प्राप्त किया।

## सुविचार

प्रेम किसी को हारने नहीं देता है और घृणा कभी जीतने नहीं देती है। जीवन में सुख-शांति चाहते हैं तो आपसी प्रेम बनाए रखें।



Created by Universal Document Converter

# स्वामी दयानन्द सरस्वती-200वीं जयंति ( 1824-1883 )

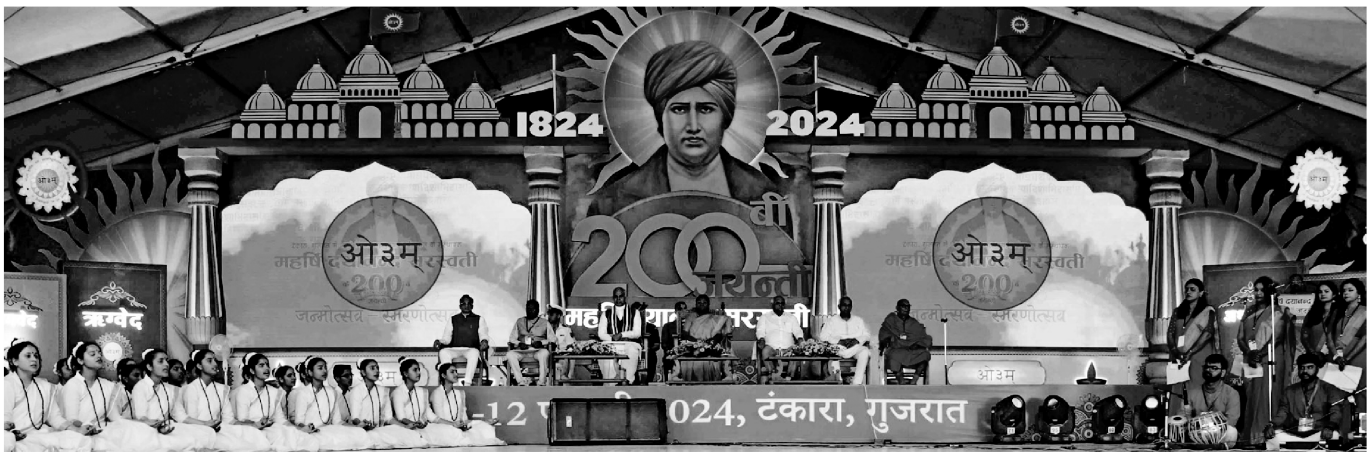


आर्य समाज के संस्थापक स्वामी दयानन्द सरस्वती की इस वर्ष 200वीं जयंति मनायी गई। मुख्य समारोह टंकारा, मोरबी, गुजरात में 12 फरवरी, 2024 को मनाया गया जिसमें प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी वर्चुअली जुड़े। वहीं माननीय राष्ट्रपति **द्रोपदी मुर्मू** स्वयं पहुंची। **प्रधानमंत्री मोदी ने कहा** कि यह सौभाग्य की बात है कि स्वामी का जन्म गुजरात में हुआ और उनकी कर्मभूमि हरियाणा रही। वे इन दोनों स्थानों से ही जुड़े हुए हैं। स्वामीजी राष्ट्रीय चेतना के वैदिक ऋषि थे तथा एक युग दृष्टा के रूप में उन्होंने न केवल अंग्रेजी शासन की कुचेष्टाओं को समझा बल्की भारत के उज्ज्वल भविष्य का सपना भी देखा। तब अंग्रेजी हुकूमत भारत की सामाजिक कुरीतियों को मोहरा बनाकर हमें नीचा दिखाने की कोशिश करती थी और कुछ भारतीय अंग्रेजीराज को ठीक बताते थे। किन्तु स्वामीजी ने अंग्रेजों की इन साजिशों को न केवल समझा अपितु उसे भारतीयों को बताया और अंग्रेजों की साजिशों को विफल कर दिया।

स्वामी दयानन्द ने राष्ट्र निर्माण की जिम्मेदारी ली, आर्य समाज के लगभग 2500 विद्यालयों व 400 गुरुकुलों विद्यार्थी अध्ययन कर राष्ट्र निर्माण की जिम्मेदारी ले रहे हैं। इन विद्यालयों में अंग्रेजी शिक्षा के लिए DAV स्कूल उनकी दूरदर्शिता का नतीजा हैं।

**राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू ने कहा** कि महर्षि दयानन्द ने 19वीं सदी में देश को सामाजिक न्याय और आधुनिकता का मार्ग दिखाया, उन्होंने अपना जीवन सामाजिक कुरीतियों और अंधविश्वास को मिटाने के लिए समर्पित कर दिया। उन्होंने महिलाओं के लिए शिक्षा और सशक्तिकरण की वकालत की थी।

**गुजरात के राज्यपाल आचार्य देवव्रत ने** इस अवसर पर कहा कि 19वीं सदी में देश के सांस्कृतिक एवं सामाजिक पुनर्जागरण का श्रेय महर्षि दयानन्द को जाता है। वे देश के पहले सुधारक थे जिन्होंने महिलाओं और वंचितों की आवाज उठाई। गुजरात सरकार 250 करोड़ रुपए की लागत से 15 एकड़ भूमि पर एक स्मारक बनाएगी। जिससे आर्य समाज के विचार और वेद संस्कृति जन-जन तक पहुंचेगी।

**परिचय :** स्वामीजी का जन्म 12 फरवरी 1824 को टंकारा में एक रूढ़ीवादी ब्राह्मण परिवार में हुआ था। उनके बचपन का नाम मूलशंकर रखा गया। वर्ष 1845-60 के मध्य तपस्वी के रूप में सत्य की खोज करते रहे।

उन्होंने वेदों से प्रेरणा ली और नारा भी दिया **''वेदों की ओर लौटो।''** वे भारतीय दार्शनिक और सामाजिक नेता थे। उन्होंने वर्गहीन और जातिविहीन 'आर्य समाज' की वर्ष 1860 में मुम्बई में स्थापना की। उनकी लिखी प्रसिद्ध पुस्तक **'सत्यार्थ प्रकाश'** हमें आर्य समाज की शिक्षाओं से रास्ता दिखाती है।

**कार्य:** उन्होंने निर्भीकता से राजनैतिक परतंत्रता और पराधीनता से विचलित होकर भारतीय जनमानस को आत्मबोध, आत्मगौरव, स्वाभिमान और स्वाधीनता का मंत्र दिया। उनका कथन था कि ईश्वर एक है और सर्वव्यापी है, सभी मनुष्य समान है व भेदभाव अनुचित है, वेद ईश्वर की वाणी है, सभी धर्मों का सम्मान करें व दूसरों पर नहीं थोपें तथा महिलाओं को भी शिक्षा व समानता का अधिकार है। इन आधारों पर ही उन्होंने (1) सनातन धर्म के मूल सिद्धान्तों को पुनर्स्थापित किया, (2) अंधविश्वासों, कुरीतियों व जातिवाद का विरोध किया। (3) भारतीय समाज का सामाजिक जागरण किया तथा महिलाओं के उत्थान व शिक्षा पर जोर दिया।

**मृत्यु :** उनकी मृत्यु 30 अक्टूबर 1883 को जहर देने से हुई। जोधपुर में एक वेश्या ने रसोइए से मिलकर उनके खाने में जहर दे दिया। जब उसे अपनी गलति का अहसास हुआ तो उसने माफी मांगी तो उन्होंने उसे माफ कर दिया। यह उनके विशाल हृदय को दर्शाता है।

**डॉ. राधाकृष्णन** ने दयानन्द के बारे में कहा था कि आधुनिक भारत के निर्माताओं में स्वामी दयानन्द को सर्वोच्च स्थान प्राप्त है। उन्होंने देश की राजनैतिक, धार्मिक और सांस्कृतिक मुक्ति के लिए अथक प्रयास किया था। उन्होंने तर्क द्वारा निर्देशित किया तथा हिन्दु धर्म को वेदों की ओर वापस ले गये। उन्होंने स्वच्छता के साथ समाज को सुधारने का प्रयास किया, जिसकी आज महत्ति आवश्यकता है। भारतीय संविधान में कुछ अंश उनकी शिक्षाओं से लिए गए हैं।

कुमावत समाज के अनेक लोग आज भी आर्य समाज से जुड़े हुए हैं तथा उनके आदर्शों पर चल रहे हैं। आईए, हम स्वामीजी की शिक्षाओं से प्रेरणा लें तथा इस अमृतकाल में भारत को विश्व गुरु बनाने में अपना अहम् योगदान दें।



Created by Universal Document Converter

## प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना

# चेतन कुमावत जयपुर शहर सह प्रभारी व जयसिंह कुमावत सांगानेर विधानसभा क्षेत्र सह प्रभारी नियुक्त

भारत सरकार के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय द्वारा शुरू की गई पीएम विश्वकर्मा योजना में चेतन कुमावत को जयपुर शहर के सह प्रभारी का दायित्व सौंपा गया है।

वहीं 'कुमावत इंडिया' पत्रिका के सह संपादक जयसिंह कुमावत को सांगानेर विधानसभा के सह प्रभारी का दायित्व सौंपा गया है।

पीएम विश्वकर्मा योजना के तहत पात्र लोगों को सरकार की तरफ से 5 फीसदी रियायती ब्याज दर पर 3 लाख रु. की राशि उपलब्ध कराई जाती है। पहले चरण में पात्र व्यक्तियों को 1 लाख रु. का ऋण दिया जाएगा जबकि दूसरे चरण में 2 लाख रु. का ऋण देने का प्रावधान है।

इस योजना में **राजमिस्त्री**, नाई, माली, धोबी, दर्जी, ताला बनाने वाले, बढ़ई, लुहार, सुनार, अस्त्रकार, **मूर्तिकार**, जूता बनाने वाले कारीगर, नाव निर्माता, टोकरी/ चटाई/ झाड़ू बनाने वाला, गुड़िया और **खिलौना निर्माता**, हथौड़ा और टूल निर्माता, फिशिंग नेट निर्माता इस योजना का लाभ उठा सकते हैं। इस योजना का लाभ लेने के लिए पीएम विश्वकर्मा योजना पोर्टल पर पंजीकरण करवाया जा सकता है।

## नारी शक्ति के बढ़ते कदम

# मेघना कुमावत का शक्ति वंदन जिला टोली में चयन

आज हम एक ऐसे वैश्विक परिवेश में रह रहे हैं, जहां विश्व में लगभग देश की सभी महिला स्वतंत्रता, समानता और अधिकार जैसी अवधारणाओं की केवल बात ही नहीं, बल्कि जमीनी स्तर पर इसे क्रियान्वित करने का प्रयास भी कर रही हैं। अब महिलाओं को देश के विकास कार्यों में नेतृत्व दिया जा रहा है। आज महिलाएं अपने सीमित दायरे से निकल कर अपनी रचनात्मकता और योग्यता के बल पर विकास प्रक्रिया में महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं।

इसी के तहत मेघना कुमावत, उपाध्यक्ष महिला मोर्चा सिविललाईन मंडल का भाजपा महिला स्वयं सहायता समूह एवं एनजीओ सम्पर्क अभियान में ''शक्ति वंदन जिला टोली'' में चयन हुआ है। मेघना कुमावत एडवोकेट हैं और सामाजिक कार्यों में निरन्तर बढ़-चढ़कर हिस्सा लेती हैं।

''शक्ति वंदन जिला टोली'' में चयन होने पर मेघना कुमावत को **'कुमावत इंडिया'** पत्रिका की ओर से हार्दिक बधाई।

# अहमदाबाद में कुमावत समाज भवन का शुभारम्भ

अयोध्या में 22 जनवरी, 2024 को रामलला विग्रह की प्राण प्रतिष्ठा के शुभ अवसर के समय ही लपकामण, अहमदाबाद में लगभग 5400 स्क्वायर फीट भूमि पर नवनिर्मित भव्य कुमावत समाज भवन का विपीन भाई पटेल द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर शुभारम्भ किया गया। इस अवसर पर श्रीराम की शोभायात्रा का आगमन भी हुआ। परिसर में श्रीराम की झांकी तथा काष्ठ से बने मंदिर में रामदरबार मूर्ति को विराजमान कराया गया। सम्पूर्ण परिसर राममय हो गया। इस खुशी के अवसर पर महिलाओं ने राजस्थानी नृत्य कर माहौल को खुशनुमा बना दिया। भवन शुभारम्भ के मंगल अवसर पर लगभग 5000 समाज के महिला-पुरुष उपस्थित रहे तथा सभी ने स्नेह भोज का आनन्द लिया।

**विशेष :** श्रीराम की शोभायात्रा मेम नगर से प्रारम्भ हुई जो 2 किमी. लम्बी थी जिसमें श्रीराम की झांकी, राजस्थानी डीजे, भगवा ध्वज तथा संगीत पर थिरकती हुई महिलाएं चल रहीं थी। यात्रा में

लगभग 150 चौपहिया वाहन, 60 पिकअप तथा 300 टूव्हीलर के साथ पैदल भी समाजबंधु उत्साह से चल रहे थे। इतनी लम्बी शोभायात्रा अहमदाबाद के लोगों ने शायद पहली बार देखी थी। अनेक स्थानों पर लोगों ने श्रीराम की झांकी का पूजन भी किया। इस शोभायात्रा का समापन लपकामण स्थित कुमावत समाज भवन पर हुआ।

# श्री चेतन लाल सिरोहिया

शिवभक्त, निष्कपट, मृदुभाषी, सरलता और सादगी की प्रतिमूर्ति स्व. श्री चेतनलाल सिरोहिया का जन्म साँगानेर के प्रतिष्ठित परिवार श्री भूरामल जी सिरोहिया एवं बरजी देवी के पुत्रों में श्री म्होरीलालजी, श्री गणेशनारायण जी, श्री बिरदीचन्द जी में से ज्येष्ठ पुत्र श्री म्होरीलाल जी सिरोहिया एवं श्रीमती सूजा देवी के यहाँ 10 दिसम्बर 1940 को सांगानेर, जयपुर में हुआ। श्री म्होरीलाल जी सिरोहिया अपने पिता के पूरे परिवार का नेतृत्व करते हुए जीवन पर्यन्त अपने भाइयों के साथ ही सामूहिक रूप से रहते हुए अपने ज़माने के जाने-माने भवन निर्माण के क्षेत्र में प्रसिद्ध एवं प्रतिष्ठित ठेकेदार रहे हैं। उनकी चार सन्तानों में श्री चेतनलाल जी इकलौते पुत्र थे। आपका बचपन ढाणी कुमावतान, साँगानेर, जयपुर में ही बीता। पूरे परिवार में इकलौते पुत्ररत्न होने के कारण आपको पूरे परिवार एवं समाज का भरपूर प्यार एवं मान-सम्मान मिला। आपके दादा श्री भूरामल जी के अव्यक्त प्यार एवं उनकी अनुशासन प्रियता संस्कारों की आधारशिला बनी, इसी का प्रभाव आपके पूरे परिवार पर रहा। बचपन से ही आप पूरे परिवार सहित शिव भक्ति में लीन रहे तथा यह क्रम पूरे परिवार का आज भी अविरल जारी है।

**शिक्षा**- आपकी प्रारम्भिक एवं माध्यमिक स्तर की शिक्षा साँगानेर में तथा उच्च शिक्षा जयपुर के तत्कालीन प्रतिष्ठित अग्रवाल महाविद्यालय से हुई।

**विवाह**- आपका विवाह फुलेरा (जयपुर) निवासी भवन निर्माण क्षेत्र के जाने-माने रेलवे के ठेकेदार स्व.श्री श्रीनारायणजी नागा एवं श्रीमती मनफूली देवी की द्वितीय पुत्री पार्वती देवी (जिनके बचपन का नाम किशोरी रहा) से लगभग 18 वर्ष की आयु में 22 अप्रेल 1958 को बड़े ही धूमधाम से फुलेरा में सम्पन्न हुआ।

**व्यवसाय**- विवाह के बाद ही आपने अपने पिताजी के साथ पैतृक व्यवसाय भवन निर्माण के क्षेत्र में ठेकेदारी को ही प्राथमिकता दी और जीवनपर्यन्त इसी कार्य में लगे रहे। समय में भवन निर्माण के क्षेत्र में सुप्रसिद्ध फर्म **भूरामल म्होरीलाल** एवं बाद में **म्होरीलाल चेतनलाल** भवन निर्माण के क्षेत्र में जानी-मानी विख्यात फर्म थी। अनेकों अनेक निर्माण कार्य आपकी देखरेख में सम्पन्न हुए जिनमें जोबनेर कृषि विश्वविद्यालय से कार्य प्रारम्भ कर राजस्थान के प्रथम एवं सुप्रसिद्ध रंगमंच **शेष पृष्ठ 19 पर...**

आभार

हमारे प्रिय

## श्री चेतन लाल जी सिरोहिया (ठेकेदार)

**का स्वर्गवास 21 जनवरी, 2024 को हो जाने पर समाज बन्धुओं, सगे सम्बन्धियों, शुभचिन्तकों, मित्रगणों, सामाजिक एवं व्यापारिक संस्थाओं तथा विभिन्न संगठनों के पदाधिकारियों ने व्यक्तिगत उपस्थित होकर, संवेदना संदेशों, दूरभाष, वाट्सएप, मोबाईल आदि द्वारा इस दुःख की घड़ी में हमें संबल दिया।**

**हम सभी परिवारजन आप सभी का हृदय से आभार व्यक्त करते हैं।**

विज्ञापन

**आभारकर्ता**

**पत्नी** : पार्वती देवी, **पुत्र-पुत्रवधू** : प्रभु नारायण-भुवनेश्वरी, बद्रीनारायण-संगीता, रूपेश-अनीता, भीमसिंह-दीप्ति (भा.कु.क्ष.म. राष्ट्रीय रजि. कार्यालय मंत्री), **पुत्री-दामाद** : मीना-राकेश जी (ए.जी. ऑफिस), **पौत्र-पौत्रवधू** : नितेश-अंकिता (जयपुर परिवारिक कार्यालय), **पौत्री-दामाद** : याशु (सी.ए.)-क्षितिज जी, **पौत्र-पौत्री** : रिषिका, पारूल, जैशिका, चेल्सी, मुकुल, भव्य, हनी, घनिष्ठा, **दोहित्र** : आदित्य, **पड़दोहित्री** : आही, **पड़पोत्री** : वान्या।

प्रतिष्ठान :
**ऋषिका कंस्ट्रक्शन**
**निर्माण इंफ्रास्टक्चर एंड डेवलपर्स**
**सिरोहिया फुटवियर**

**सिरोहिया भवन, सिरोहियों की ढाणी, डिग्गी रोड, मुहाना मोड के पास, सांगानेर, जयपुर**
**मो. 9314424426, 9414041783, 9057373839, 9461086386**

## कुमावत सामूहिक विवाह समिति, जयपुर

# सम्मेलन में 8 जोड़ों का हुआ विवाह

### अनूठी पहल : बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ व भ्रूण हत्या रोकने की शपथ लेकर थामा जीवन साथी का हाथ

जयपुर। कुमावत क्षत्रिय सामूहिक विवाह समिति (रजि.) जयपुर द्वारा सामूहिक विवाह सम्मेलन वैशाली नगर स्थित मंगल महल मैरिज गार्डन में आयोजित किया गया। जिसमें 8 जोडें विवाह बंधन में बधें। श्याम पैराडाइज गांधी पथ पश्चिम से बैण्ड-बाजों के साथ दूल्हों की सामूहिक बारात शुरू होकर वैशाली नगर के मुख्य मार्गों से होती हुई मंगल महल मैरिज गार्डन पहुंची। जहां दूल्हों ने सामूहिक रूप से तोरण की रस्म पूरी की। इसके बाद वरमाला कार्यक्रम हुआ। सामूहिक रूप से वैदिक मंत्रोच्चार के साथ फेरों सहित विवाह की अन्य रस्में पूरी करवाई। विवाह सम्मेलन में आयोजित प्रतिभोज में हजारों लोगों ने पण्डाल में बैठकर सामूहिक भोज किया।

कार्यक्रम में अतिथि पूर्व विधायक निर्मल कुमावत, हवामहल विधायक बालमुकुंदाचार्य महाराज, जिला प्रमुख रमा चौपड़ा थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता समाजसेवी, भामाशाह व भाजपा ओबीसी मोर्चा, जयपुर शहर के जिलाध्यक्ष चेतन कुमावत ने की। मंच संचालन अमरचंद मंडावरा व कमलेश कुमार मारोठिया ने किया। निर्मल कुमावत ने ऐसे आयोजनों को समाज की सोच में बदलाव के लिए काफी अहम बताया। उन्होंने कहा कि सामूहिक विवाह सिर्फ एक विवाह का आयोजन भर नहीं है, अपितु इसके प्रभाव और समाज हित में लाभ बड़े दूरगामी हैं। किसी कमजोर, जरूरतमंद या असहाय परिवार की कन्या का विवाह कराने से बढ़कर कोई पुण्य नहीं है। कुमावत क्षत्रिय सामूहिक विवाह समिति जैसी संस्थाएं सामूहिक विवाह जैसे सामाजिक पुण्य कार्य में अपनी सराहनीय भूमिका निभा रही है। जिला प्रमुख रमा चौपड़ा ने कहा कि सामूहिक विवाह का बढ़ता प्रचलन समाज के लिए काफी महत्वपूर्ण है। इससे समय की बर्बादी, दान-दहेज और फिजूलखर्ची जैसी कुरीतियों से भी समाज को मुक्ति मिलती है। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे भाजपा ओबीसी मोर्चा के जिलाध्यक्ष चेतन कुमावत ने पढ़े-लिखे नौजवानों से अपील करते हुए कहा कि दहेज प्रथा के खिलाफ अभियान में योगदान दें। हमें इस पहल का अनुसरण करने की जरूरत है। तभी बेटियों को बराबरी का अधिकार व महिला सशक्तिकरण को बल मिल पाएगा। सम्मेलन में 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की प्रतियां वितरित की गईं जिसे देखकर समाजबंधुओं ने इस पत्रिका को सराहा।

सामूहिक विवाह सम्मेलन में आज एक बहुत अच्छी और प्रेरणादायी बात देखने को मिली। **विवाह सम्मलेन में वर-वधुओं एवं उनके परिजनों ने बेटी बचाओ, बेटी पढाओ की शपथ ली।** विधायक बालमुकुंदाचार्य ने शपथ दिलाते हुए कहा कि जिस प्रकार वह अपने जीवन साथी को दिए सात वचनों का जीवनभर पालन करते हैं, उसी प्रकार बेटी बचाओ, बेटी पढाओ के लिए ली गई शपथ का भी पालन करें। इसके साथ ही विधायक बालमुकुन्दाचार्य ने सात फेरे के साथ आठवां वचन भूण हत्या रोकने की भी शपथ दिलाई। कार्यक्रम के अंत में समिति के अध्यक्ष रमेश चंद राणोलिया ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

इस अवसर समाज के पार्षद, जनप्रतिनिधि व गणमान्य समाजजन उपस्थित रहे।

अखंड कुमावत नारी युवा शक्ति द्वारा

# विवाह योग्य युवक-युवती परिचय सम्मेलन आयोजित

अखंड कुमावत नारी युवा शक्ति, जयपुर द्वारा विवाह योग्य युवक-युवती परिचय सम्मेलन का आयोजन न्यू सांगानेर रोड, जयपुर स्थित बाबुल पैराडाइज में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलित कर किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मुनेश गुर्जर महापौर हेरिटेज नगर निगम, अतिथि भाजपा ओबीसी मोर्चा, जयपुर शहर के जिलाध्यक्ष चेतन कुमावत, पूर्व उपमहापौर विमल कुमावत, सर्व कुमावत क्षत्रिय महासभा के अध्यक्ष रामेश्वर बंबोरिया थे। मंच संचालन भारती तोंदवाल व किरण कुमावत ने किया। परिचय सम्मेलन में युवक-युवतियों ने अपना परिचय दिया। जयपुर के अलावा उदयपुर, बीकानेर, जालौर, जैसलमेर, अलवर, झुंझुनू, रेवाड़ी, हरियाणा के कुमावत समाज के युवक-युवतियों ने भाग लिया।

संस्था की अध्यक्ष संतोष बालोदिया ने बताया कि सम्मेलन में 217 युवक-युवतियों का पंजीयन हुआ। सिंगर मोहन कुमार बालोदिया ने अयोध्या में विराजे राम भजन सुना कर सभी का मन मोह लिया व खूब तालियां बटोरी। हेरिटेज नगर निगम कि महापौर मुनेश गुर्जर ने कहा कि पढ़े लिखे युवक-युवतियों को सम्मेलनों में आकर विवाह करना चाहिए। जो पैसा विवाह में खर्च होता है उसको शिक्षा पर खर्च किया जाए जिससे बच्चे और बच्चियों को अपने पैरों पर खड़े होने का अवसर मिल सके। ओबीसी मोर्चा जयपुर शहर के जिलाध्यक्ष चेतन कुमावत ने दहेज न लेने और कन्या भ्रूणहत्या न करने की शपथ दिलाई तथा बच्चों को उच्च शिक्षा देने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि हमारी युवा पीढ़ी पढ़-लिखकर अच्छे पदों पर पंहुचकर समाज का नाम रोशन करें। पूर्व उप महापौर विमल कुमावत ने कहा कि माता-पिता अपने बच्चों को अच्छे संस्कार प्रदान करें। माता-पिता का कर्तव्य है कि वह खुद भी नशे से दूर रहें और बच्चों को भी इस प्रकार की बुराइयों से दूर रखें।

इस अवसर पर अशोक मारवाल, अरुण कुसुंबीवाल, रूपसिंह कारगवाल, मोहन बालोदिया, इंद्रकुमार बधानिया, जयसिंह गुड़ीवाल, चेतन बालोदिया, शंकर बालोदिया, अमरचंद मंडावरा, ललित जालवाल, नरेन्द्र गुडीवाल, अशोक कुमावत, उषा कुमावत, नीतू गैदर, सोनम कुमावत, वेटलिफ्टर आशा कुमावत, गणेश कुमावत, प्यारेलाल आसीवाल सहित समाज के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

हार्दिक बधाई

धीरज वर्मा

सुपुत्र : श्रीमती श्यामा देवी एवं प्रोफेसर स्व. देवी लाल वर्मा ( हान्या )

वृत्त निरीक्षक को इण्डियन पुलिस मेडल

मिलने पर

हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएँ

सुरेन्द्र कुमार वर्मा ( नागा ), हेमचन्द खड़गटा,
गोपाललाल अजमेरा, लालचन्द धुंधारिया
एवं मित्रगण

शुभेच्छु

# विचार ही जीवन का निर्माण करते हैं

मनुष्य का जीवन उसके विचारों का प्रतिबिंब है सफलता- असफलता, उन्नति-अवनति, सुख-दुख, शांति और अशांति आदि सभी पहलू मनुष्य के विचारों पर निर्भर करती है। किसी भी व्यक्ति के विचार जानकर उसकी जीवन का नक्शा सहज ही मालूम किया जा सकता है। मनुष्य को कायर-वीर, स्वस्थ-अस्वस्थ, प्रसन्न- अप्रसन्न कुछ भी बनाने में उसके विचारों का महत्वपूर्ण हाथ होता है तात्पर्य यह है कि अपने विचारों के अनुरूप ही मनुष्य का जीवन बनता बिगड़ता है। अच्छे विचार उसे उन्नत बनाएंगे तो बुरे विचार उसे गिराएंगे। स्वामी रामतीर्थ ने कहा था मनुष्य के जैसे विचार होते हैं वैसा ही उसका जीवन बनता जाता है। स्वामी विवेकानंद ने कहा था स्वर्ग और नरक कहीं अन्यत्र नहीं हमारे विचारों में ही है।

अपने विचारों की अपूर्व शक्ति और महत्ता होती हैं और उनका जीवन की विभिन्न गतिविधियों का संचालन करने में प्रमुख हाथ रहता है। हम जो कुछ भी करते हैं विचारों की प्रेरणा से ही करते हैं संसार में दिखाई देने वाली विभिन्नताएं व विचित्रताएं हमारे विचारों का प्रतिबिंब ही है संसार मनुष्य के विचारों की छाया है किसी के लिए संसार स्वर्ग है तो किसी के लिए नर्ग तो किसी के लिए सुख-सुविधा संपन्न उपवन।

एकसी परिस्थितियों में एक जैसी सुख-सुविधा व समृद्धि से युक्त दो व्यक्तियों में भी अपने विचारों की भिन्नता के कारण और साधारण अंतर पड़ जाता है एक जीवन में प्रतिक्षण सुख सुविधा प्रसन्नता खुशी, शांति व संतोष का अनुभव करता है तो दूसरा पीड़ा, शोक और क्लेश में जीवन बिताता है।

इतना ही नहीं कई व्यक्ति कठिनाई से ग्रस्त जीवन बिताते हुए भी प्रसन्न रहते हैं तो कई समृद्ध होकर भी जीवन को नारकीय यंत्र समझते हैं।

आज का मानव है जो पर्याप्त सुख-सुविधा, समृद्धि, ऐश्वर्य और वैज्ञानिक साधनों से युक्त जीवन बिताकर भी अधिक क्लेश अशांति दु:ख और उद्विकनता से परेशान है। यह मनुष्य के विचार चिंतन का ही परिणाम है।

**नेपोलियन बोनापार्ट** ने अपने अंतिम दिनों में कहा था अफसोस है मैंने जीवन का एक सप्ताह भी सुख शांतिपूर्वक नहीं बिताया जबकि उसे समृद्धि, ऐश्वर्य, संपत्ति, यश आदि की कोई कमी नहीं रही।

जीवन में भी सुविचारों के आधार पर ही संसार सुखमय अथवा दु:खमय अनुभव होता है पूर्वगामी उत्कृष्ट उत्तम विचार, जीवन को ऊपर उठते हैं। उन्नति, सफलता व महानता का पथ प्रशस्त करती है तो हैं निम्न गामिनी विचार जीवन को गिराते हैं। विचारों में अपार शक्ति है। शक्ति सदैव कम को प्रेरणा देती है वह अच्छे कार्यों में लग जाए तो अच्छी और बुरे काम में हो जाए तो बुरे परिणाम प्राप्त होते हैं। विचारों में एक प्रकार की चेतना शक्ति होती है। श्राप, वरदान और भविष्यवाणी इस सूक्ष्म शक्ति का ही परिणाम है।

ऋषि-मुनियों के पूर्व स्थानों पर जाने पर वहां आज भी मनुष्य को उनके उत्कृष्ट शक्तिशाली विचारों का स्पर्श प्राप्त होता है। इतना ही नहीं भावना पूर्वक किसी भी महापुरुष से मानसिक संपर्क स्थापित किया जाए तो उसके विचार भाव तत्क्षण वातावरण से बढ़कर आएंगे और सचमुच मनुष्य को महापुरुष का मानसिक सत्संग मिलेगा मनुष्य जैसे विचार करता है उनकी सूक्ष्म तरंगे विश्व आकाश में फैल जाती है।

विचारों के अनुसार मनशक्ति की प्रेरणा से शरीर काम करता है। जैसे विचार होंगे वैसा ही प्रभाव शरीर पर दृष्टिगोचर होता हैं ये ही कारण है कि शोक, चिंता आदि के कारण रक्त का प्रवाह मंद हो जाता है और शरीर में शिथिलता पैदा हो जाती है। इसी तरह उत्तेजना क्रोध आवेश के विचारों से शरीर पर भारी तनाव पड़ता है और रक्तचाप बढ़ जाता है, शरीर में एक प्रकार का विष उत्पन्न होने लगता है, शरीर का कार्य अस्त-व्यस्त हो जाता है। इस तरह के लोग जल्दी ही अस्वस्थ होकर रोगी जीवन बिताते हैं। विचारों में बड़ा जादू है वह हमें उठा सकते हैं और गिरा भी देते हैं इसलिए हमें आशावादी उदार, दिव्य, उत्कृष्ट विचारों से अपने मन को तरोताजा रखना चाहिए हैं।

**एडवोकेट मेघना कुमावत,**
उपाध्यक्ष, महिला मोर्चा, भाजपा सिविल लाइन मण्डल, जयपुर।

---

**स्मृति शेष** **पृष्ठ 16 से आगे....**

रवीन्द्र मंच, कानोड़िया महाविद्यालय भवन, राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर परिसर में प्रशासनिक भवन, विधि महाविद्यालय भवन, गर्ल्स हॉस्टल, ब्यॉज हॉस्टल, वनस्पति विभाग भवन, पत्राचार भवन, विश्वविद्यालय टीचर्स हॉस्टल प्रमुख रहे।

परिवार- आप अपने पीछे अपनी सहधर्मिणी श्रीमती पार्वती देवी, चार पुत्र: प्रभुनारायण, बद्रीनारायण, रूपेश और भीमसिंह तथा एक पुत्री मीना देवी सहित भरा-पूरा परिवार छोड़ कर गये हैं। आपके पुत्रों में प्रभुनारायण एवं बद्रीनारायण ने अपने परम्परागत पैतिक व्यवसाय भवन निर्माण ठेकेदारी को ही चुनकर प्रतिष्ठित कार्य कर रहे हैं तथा रूपेश एवं भीमसिंह निजी व्यवसाय कर रहे हैं। इकलौती पुत्री मीना देवी का विवाह बनीपार्क, जयपुर निवासी राजस्थान पुलिस सेवा के वरिष्ठ अधिकारी रहे श्री सत्यनारायण जी आसीवाल एवं स्व. श्रीमती कांता देवी के पुत्र श्री राकेश कुमावत के साथ सम्पन्न हुआ है तथा श्री राकेश कुमावत वर्तमान में भारत सरकार के महालेखाकार विभाग में वरिष्ठ लेखा परीक्षा अधिकारी के रूप में कार्यरत हैं। स्व. श्री चेतनलाल जी के चार पौत्र, छ: पौत्रियों एवं एक पड़पौत्री सहित भरा-पूरा परिवार साँगानेर में ही निवास कर रहा है।

**स्वर्गवास**- लगभग 84 वर्ष आयु में 21 जनवरी 2024 को स्वस्थ अवस्था में हृदयगति रुक जाने के कारण साँगानेर अपने निवास सांगानेर पर ही आपने अंतिम साँस ली और ईश्वर के धाम को चले गये।

'कुमावत इंडिया' पत्रिका परिवार आपके कार्य एवं व्यवार की प्रशंसा करते हुए आपको सादर श्रद्धांजलि अर्पित करता है।



Created by Universal Document Converter

# महिला दिवस पर पुरुषों की बात

**8 मार्च, अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस:** मातृशक्ति के वन्दन का दिवस। 8 मार्च को महिला दिवस मनाने की परंपरा तो 1913 से प्रारंभ हुई लेकिन हमारे देश में तो प्राचीन काल से महिला को सम्मान देने की परंपरा रही है। हम अपनी नारी शक्ति की वंदना के लिए किसी एक दिन के मोहताज नहीं रहे हैं। **भारत की परंपरा में नारी शक्ति का सम्मान हमारे संस्कारों में रचा बसा है।** हमारे यहां बालक को मां के नाम से जाना जाता रहा है। जैसे कृष्ण को देवकीनंदन, अर्जुन को कौन्तेय, हनुमानजी को अंजनी पुत्र आदि के नाम से जाना जाता है। मां के नाम का महत्व हमें संस्कारों की पूंजी के रूप में मिला है। यहां तक कि हम भारत को भी माता के रूप में देखते हैं, और खुद को मां भारती की संतान मानते हैं। नारी शक्ति वंदन अधिनियम भी संवैधानिक रूप से भारत में नारी की स्थिति को और मजबूत करने की दिशा में उठाया गया एक कदम है। हम आगे बढ़ रहे हैं यह एक अच्छी बात है ।लेकिन आदर्श और यथार्थ में अभी भी एक बहुत गहरी खाई है जिसे पाटना आवश्यक है।

एक बार सुषमा स्वराज जी को किसी ने 8 मार्च को लोकसभा में महिला दिवस की बधाई दी। इस पर उन्होंने कहा कि 364 दिन तो आप लोग पिटाई करते हैं और 365वें दिन Greet (बधाई) देते हैं। इस पर उनके साथी सांसद ने कहा कि बात तो आप सही कह रही हैं। ये बात आपने एक सांसद नहीं बल्कि भारत की महिलाओं के प्रतिनिधि के रूप में कही है। हम नारी सशक्तिकरण की बड़ी-बड़ी बातें तो करते हैं परंतु उन पर अमल करने से कतराते हैं। कभी पुरुष अहं (Ego) तो कभी पुरानी चली आ रही परिपाटी के नीचे महिला समानता और न्याय अपना दम तोड़ देती है। **मैं हमेशा अपने कुमावत समाज से जुड़े व्यावहारिक मुद्दों पर ही बात करती आई हूं। मेरा मानना है कि बड़े और खोखले वादों की बजाय परिवर्तन अपने परिवार अपने समाज से ही आरंभ करना चाहिए।** 'कुमावत समाज में महिलाओं की स्थिति' विषय अपने आप में गहन शोध का विषय है। इस विषय पर फिर कभी चर्चा होगी। अभी बात करते हैं कि क्या हम महिला सशक्तिकरण की बात तो छोड़िए अपने घर की महिला को सहूलियत, सम्मान और सहज जीवन दे पा रहे हैं? हम अपनी बेटियों को तो मर्यादा की डोर में बांधकर रखते हैं लेकिन क्या हम अपने बेटों को एक अच्छा मददगार, साथी और जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए तैयार कर रहे हैं? आज महिला दिवस है लेकिन मैं कुछ मुद्दे पुरुषों को लेकर उठाना चाहूँगी। **कुछ प्रश्नों के उत्तर आप खुद अपने आप से पूछिए। इन प्रश्नों के जबाव में ही हम अग्रणी कुमावत समाज की रूपरेखा तैयार कर पाएँगे।**

1. क्या घर में आज भी बेटे को बेटी से अधिक अधिकार प्राप्त है?
2. क्या बेटे को घर के कार्य जैसे झाड़ू पोछा करना, बर्तन साफ करना, कपड़े धोना आदि सिखाया जाता है?
3. क्या बेटे को आटा गूँथना, सब्जी साफ करना, सब्जी बनाना आता है?
4. क्या वह मां की रसोई में मदद करता है? क्या मेहमान आने पर बेटे को चाय बनाने के लिए कहा जाता है?
5. क्या वह संयमित और मर्यादित भाषा में बात करना जानता है?
6. क्या हम उसको कामकाजी पत्नी का पति बनने के लिए तैयार कर पा रहे हैं?
7. क्या विवाह उपरांत जब दोनों पति-पत्नी शाम को ऑफिस से घर लौटेंगे तो वह भी अपना बैग रख पत्नी के साथ रसोई में उसका हाथ बंटाने जाएगा?
8. 'सभी नारियों को सम्मान देना है' क्या यह वाक्य हम अपने बेटे को सीखा पा रहे हैं?
9. घर या घर के बाहर नारी के साथ कुछ गलत होता देख क्या वह अपनी आवाज उठाएगा?
10. स्त्री की 'ना' का अर्थ चाहे वह किसी भी संदर्भ में हो, क्या हम अपने घर के पुरुष वर्ग को समझा पा रहे हैं?
11. 'पत्नी को भी विचारों की स्वतंत्रता है' क्या हम इसे स्वीकार कर पा रहे हैं?

इन प्रश्नों के जवाब जब हमें मिलने लगेंगे। हमारे घर के बालक, किशोर और युवा पुरुष स्त्री के प्रति अपने कर्तव्य और जिम्मेदारियों को निभाने लगेंगे। तभी सही मायनों में घर से नारी सशक्तिकरण आंदोलन की शुरुआत हो पाएगी। तब साल के 365 दिन महिला के लिए सुरक्षित और सुखद दिन बन पाएंगे।

**स्त्री पुरुष के जीवन में खाली स्थान की पूर्ति भर नहीं है**
**स्त्री ईश्वर द्वारा प्रकृति की पीठ पर लिखी गई एक प्रेम कविता है।**

**- हेमंत**

आप कुमावत समाज के विकास से संबंधित अपने विचार मुझे 9408093778 पर whatsapp कर सकते हैं। आपके सुझावों का इंतजार रहेगा। **- डॉ प्रिया मारवाल,** Asst. Professor

## प्रशिता कुमावत TT अंडर 14 में प्रथम

तालोद जिला साबरकांठा में आयोजित जिला स्तरीय टेबिल टेनिस टूर्नामेंट अंडर-14 में ईडर गुजरात निवासी कु. प्रशिता पुत्री श्री हरिश कुमार कुमावत ने प्रथम स्थान प्राप्त किया है। **'कुमावत इंडिया'** पत्रिका की ओर से कु. प्रशिता कुमावत को हार्दिक बधाई।



Created by Universal Document Converter

# नारी

**''पुरुष के पौरूष से ही सिर्फ, बनेगी धरा नहीं यह स्वर्ग।**
**चाहिये नारी का अस्तित्व, तभी पूरा होगा यह सर्ग।''**

कहने को तो सही है यह वाक्य, पर क्या है यथार्थ, जानिये—

तड़ाक! एक जोरदार तमाचा उसके गाल पर पड़ा। सो रही है कम्बख्त, ये तेरे सोने का समय है, पड़ी-पड़ी सारे दिन सोती रहती है। अभी कुछ देर पहले काम से थककर लेटी थी तभी उसको यह इनाम मिला। थककर आराम करने के जुर्म में। यह कोई आज की बात नहीं, एक नारी की बात नहीं उन लाखों-करोड़ों औरतों की कहानी है जो आज भी अपने अस्तित्व की लड़ाई लड़ रही हैं।

कितने सलौने होते हैं वो दिन जब माता-पिता की लाड़ली सी बिटियाँ हँसती खेलती है। वह एक समय होता है जबकि माता-पिता अपनी बेटी को मारना तो दूर डॉटना-डपटना भी पाप समझते हैं। उसी फूल जैसी बच्ची को बाद में बहुत प्रताड़ना देते हैं।

हम कितने ही रूपों में देखते हैं नारी को। कहीं माँ के रूप में ममता और त्याग की प्रतिमा बनकर। कहीं बहन के रूप में स्नेह और प्यार की मूर्ति बनकर और एक और अहम रूप होता है पत्नी का। इस रूप में वह त्याग, बलिदान, प्रेम, समर्पण की जीवन्त प्रतिमा होती है लेकिन शायद यही रूप सर्वाधिक पीड़ित और दयनीय है।

आज नारी समाज के हर क्षेत्र में, शिक्षा व्यवसाय या अन्य कोई भी क्षेत्र हो पुरुष के साथ ही नहीं बल्कि आगे है। लेकिन समाज में उसको यह सम्मान नहीं मिला जो उसे मिलना चाहिए। सरकार भी दिन रात महिलाओं के लिए विकास कार्यक्रम बना रही है लेकिन नारी की सामाजिक दशा बदतर होती जा रही है। मुझे समझ नहीं आता कि आज लोग जागरूक हैं, समाज शिक्षित होता जा रहा है विज्ञान आज जमीन से लेकर चाँद, आसमान और ना जाने कहाँ पहुँच गया है और यह सही है आज हर क्षेत्र में नारी का बराबर सहयोग है। फिर भी उसकी उपेक्षा की जाती है हिन्दी के प्रसिद्ध **कवि जयशंकर जी** कहते हैं....

**''नारी तुम केवल श्रद्धा हो, विश्वास रजत नग-पग तल में।**
**पीयूष स्रोत सी बहा करो, जीवन के सुन्दर समतल में।''**

**शास्त्रों** में कहा गया है—

जहाँ नारी की पूजा की जाती है वहाँ देवता निवास करते हैं।

शास्त्र नारी को पूजते हैं, कवि, लेखक नारी को श्रद्धा कहते हैं, परन्तु ये सभी कटु उक्तियां ही हैं, जो यर्थाथ से परे है व्यवहार में तो नारी एक मनोरंजन का साधन मात्र है।

एक ओर भयानक रूप देखने को मिलता है। कभी जिन्होंने उसे अपनी गोद में खिलाया था उसकी रक्षा की जिम्मेदारी ली थी वो उसके सगे सम्बन्धी रक्षक ही, आखिर में आरोपी होती है वो स्त्री। कहा जाता है उसे चरित्रहीन, सही ही कहा है **मैथिलीशरण गुप्त** ने—

**''अबला जीवन हाय। तुम्हारी यही कहानी।**
**आँचल में है दूध और आँखों में पानी।''**

यह क्रम, कहानी, अत्याचार यूं ही चलता रहेगा। प्रतिदिन कोई न कोई दुखड़ा आता रहेगा। कहीं दहेज के नाम पर और न जाने किस-किस नाम पर उसकी बलि दी जाती रहेगी उसे दु:खों की आग में झोंका जाता रहेगा। किसी सरकार, किसी संस्था के करने से कुछ नहीं होगा। जरूरत है एक क्रांति की नारी को अपने हक, सम्मान, अपने अस्तित्व के लिए खुद ही लड़ना पड़ेगा।

**ऐ त्याग, प्यार, ममता, बलिदान की मूर्ति एक बार तो दिखा अपना भयावह रूप दुनिया को क्योंकि अब प्रश्न है तेरे अस्तित्व, तेरे सम्मान का।**

**- सीमा राज कुमावत ( मारवाल )**

# राम निवास कुमावत व उनकी पत्नी मुन्नी की हत्या

पीपलोदा-द्वारकाधीश, देवास रोड, उज्जैन के भाजपा नेता व पूर्व सरपंच रामनिवास कुमावत (70 वर्षीय) तथा उनकी पत्नी मुन्नी बाई की हत्या 26-27 जनवरी, 2024 को हो गई। इस समय घर के अन्य सदस्य शादी में गए हुए थे। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए तहकीकात की तो गांव के ही एक व्यक्ति विशाल का मोबाइल घटना के बाद से बंद मिला। जिससे संदेह होने पर पूछताछ की तो मामले का पर्दाफाश हो गया। हत्या में हाली आरिफ, अलफेज, विशाल और एक नाबालिग को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। अलफेज व विशाल का घर में आना-जाना था जो पहले भी कीमती सामान उठा ले गए थे। ये लगभग एक महीने से साजिश रच रहे थे। ये चारों रात 12 से 2 बजे के बीच धन के लालच में लूट के लिए घर में घूसे और निर्ममता से वृद्ध दम्पत्ति पर चाकू से हमला कर दिया एवं गला रेत कर हत्या कर दी तथा नकदी व जेवर लेकर के भाग गए। हालांकि वृद्ध रामनिवास इस दौरान अपनी बन्दूक लेने दौड़े पर आरिफ ने पीठ व सीने में चाकू घोपकर उसकी हत्या कर दी और उसकी हत्या के बाद उनकी पत्नी पर भी चाकू से वार कर तथा गला रेत कर हत्या कर दी।

आरोपियों ने वृद्धा के आभूषण कुमावत के खेत में ही गाड़ दिए जो पुलिस ने बरामद कर लिए। इस दोहरे हत्याकाण्ड से क्षेत्र में दहशत का माहौल व्याप्त हो गया।



Created by Universal Document Converter

# जब गृहणियां बनी अन्नपूर्णा

आजकल कैरियर बनाने की चिंता में घर से दूर रहकर जीवन यापन करना एक आवश्यकता बन गया है, कोचिंग हो, पढ़ाई हो या नौकरी युवाओं को पैतृक स्थान छोड़ना ही पड़ता है। इन सबके चलते एक अच्छा आवास व भोजन सबसे पहली जरूरत जान पड़ती है क्योंकि घर से बाहर भी वे दोनों घर जैसे ही मिलनी चाहिये अन्यथा स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव अवश्य पड़ेगा। माता-पिता की चिन्ता अक्सर खान-पान को लेकर रहती है। यदि भोजन घर जैसा मिल जाए तो आधी चिंता दूर हो जाती है, इस फिक्र से निजात दिलाने हेतु कुमावत समाज की कुछ महिलाएं अपने सार्थक प्रयासों द्वारा न केवल अच्छा आवास बल्कि उत्तम भोजन प्रदान करवाकर अपनी आजीविका का एक ठोस जरिया बना चुकी हैं तो आईये परिचय करतो हैं आप सबका उन अन्नपूर्णाओं से।

सर्वप्रथम हम **श्रीमती किरण कुमावत** पत्नी श्री सौभाग्यचंद कुमावत लालकोठी, जयपुर से आपको मिलवाते हैं जिन्हें अपनी बिटिया की पढ़ाई के वक्त से प्रेरणा मिली कि कोटा की तरह उन्हें भी पढ़ने वाले बच्चों को निश्चित रूप से भोजन व आवास प्रदान कर पुण्य का काम करना है। किरण जी के शब्दों में—''बात उन दिनों की है जब बिटिया पीएमटी की कोचिंग के लिए कोटा गई थी उसी दौरान मेरा भी वहां आना जाना लगा रहता था, तब मन में एक बात आती थी कि काश जयपुर में भी पी.जी. हो सकते हैं। सन् 2001 में दो लड़कियों से शुरूआत कर सबसे पहला कदम मैंने उठाया लोगों ने बात भी बनाई किन्तु धीरे-धीरे 50 लड़कियों का हॉस्टल बन गया। मैं सभी महिलाओं से यही कहूंगी की कोई काम छोटा या बड़ा नहीं है। सबसे बड़ी है लगन, दृढ़निश्चय व हौसला।''

दूसरी अन्नपूर्णा है **श्रीमती शोभा कुमावत** पत्नी श्री विजय कुमावत जो बापूनगर जयपुर में स्वयं का पी.जी. चलाकर पूरी क्वालिटी कंट्रोल के साथ सन् 2009 से 12 लड़कियों के

साथ शुरुआत कर के 30 बच्चों के साथ संपूर्ण सुविधाएं उन्हें उपलब्ध करवा रही हैं। इनके ही शब्दों में ये समय का सदुपयोग व पुण्य का कार्य है। मेंने स्वयं के आवास में नवीकरण कर संपूर्ण सुविधाएं व सुरक्षा हॉस्टल की बच्चियां के लिए मुहैया करवा रखी है और मुझे इस कार्य से बहुत ही संतुष्टि मिलती है। साथ ही मुझे अपने कार्यशील महिला होने पर अत्यंत गर्व की अनुभूति है।

हमारी तीसरी अन्नपूर्णा है। **श्रीमती इन्द्रा कुमावत** पत्नी श्री राजकुमार वर्मा इन्होंने अपना हॉस्टल सन् 2008 से चालू किया। अपने निजी आवास के अलावा भी तीन-चार जगह पी.जी. चला रखा है और लगभग 65 से अधिक बच्चे जहां वर्किंग लोग भी हैं ओर कोचिंग करने वाले छात्र भी हैं इनकी सारी व्यवस्थाएं एकदम चाक चौबन्द है। इन्द्रा जी के अनुसार क्वालिटी कंट्रोल, संतुलित डाईट व घर का जैसा महसूस करवाना ही इनका मुख्य लक्ष्य है।

इन सब अन्नपूर्णाओं को किसी पब्लिसिटी की आवश्यकता नहीं पड़ी किंतु अथक मेहनत, लगन व उत्साह ही इनका मुख्य अस्त्र रहा जिसके दम पर आज ये सफल गृहणी ही नहीं वरन दूरदराज से आने वाले बच्चों को अभिभावक जैसा ही प्यार देकर उनकी पढ़ाई, कोचिंग, भोजन व आवास के बीच तालमेल बैठाकर एक सफल जीवन जीने का आनंद ले रही हैं।

इन जुझारू महिलाओं से प्रेरणा लेकर समाज की अन्य महिलाएं भी किसी भी तरह के व्यवसाय को अपनाकर अपना जीविकोपार्जन कर सकती हैं तथा अपने परिवार को आर्थिक सम्बल दे सकती हैं। निश्चय ही इससे आत्म संतुष्टि का भाव अपने जीवन में आयेगा।

**- भारती तोंदवाल**

## गरिमा कुमावत असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर चयनित

एस.एन. वर्मा शिक्षाविद् सवाईमाधोपुर की पुत्री कु. गरिमा कुमावत ने डिपार्टमेंट ऑफ इन्टरनल सिक्योरिटी एण्ड डिफेंस स्टेट्रिक स्टडीज, राष्ट्रीय रक्षा यूनिवर्सिटी, गांधी नगर, गुजरात में असिस्टेंट प्रोफेसर के पद पर चयनित होकर ज्वांइन करने पर 'कुमावत इंडिया' पत्रिका की ओर से हार्दिक बधाई।

## नवीन कुमावत को डॉक्टरेट की उपाधि

वर्तमान में मैक्स सुपर स्पेशिलीटी हॉस्पिटल दिल्ली में कार्यरत नवीन कुमावत के महर्षि दयानन्द विश्वविद्यालय ने पीएचडी की उपाधि दी है। कुमावत ने स्तन कैंसर में श्वास द्वारा विकिरण चिकित्सा का अध्ययन प्रवर्तन, योजना व मात्रा वितरण विषय पर अनिल कुमार क्षोत्रिय के निर्देशन में एक प्रोग्राम कोड किया है। जिसे अन्तर्राष्ट्रीय मेडिकल फिजिक्स कांफ्रेंस में बेस्ट पेपर अवार्ड भी मिला है।



Created by Universal Document Converter

# अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस 8 मार्च

सोशल मीडिया और मंचों पर नारीवादी भाषण तो खूब होते हैं, यदि उसका आधा भी धरातल पर काम हो तो नारी को समाज में सम्मानजनक स्थान प्राप्त हो सकता है।

हमारी बेटियों को **''बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ''** के नारे के साथ मुफ्त शिक्षा का अधिकार एक लेवल तक मिल गया है। पर थोड़ा पढ़-लिखने के बाद शादी का तनाव तथा फिर बच्चे पैदा करने के दबाव ने इसे पुन: जकड़ दिया है। यदि महिला शिक्षित होती है तो उसे घर से बाहर नौकरी या व्यवसाय पर भेजने में परिवार व समाज बाधा खड़ी करता है। भला बिना आर्थिक स्वावलम्बन के महिला विकास कैसे होगा? समाचार पत्रों व टीवी न्यूज को देखतें तो महिलाओं के सेक्सुअल हरेसमेन्ट की भरमार है तथा महिलाओं को न्याय मिलने में देरी व परेशारियां हैं। दूसरी ओर समाज एक लड़की या महिला को ही छेड़छाड़ व अन्य अपराध के लिए दोषी करार दे देता है।

महिलाएं यदि अपनी आजादी का सपना देख पा रही है तो उसका कारण है **शिक्षित होना**। यहीं से शुरुआत होती है सामाजिक व दकयानूसी ताने-बाने से बाहर आने की। अपनी शिक्षा के बल पर उसे बाहर जाकर काम करने तथा वाहन चलाने की आजादी देनी चाहिए, जिससे वह घर-परिवार को आर्थिक मदद के साथ निर्णयों में भागीदारी निभा सके। बेटियों को पढ़ा-लिखाकर उन्हें उड़ान भरने का साहस देना होगा। बेटियां और महिलाएं खुद को कमजोर समझेगी तो यह पाप होगा। उन्हें नई-स्किल सीखनी है, नई चुनौतियां स्वीकार करना है व उन्हें जोखिम उठाना सीखना होगा। लेकिन घर के कामों ओर बच्चों को पालने की जिम्मेदारी से वह मुक्त नहीं हो पाती। प्राय: देखा गया है कि घर व ऑफिस में सामन्जस्य न बैठ पाने पर आपसी तनाव, झगड़े व वॉयलेंस बढ़ जाते हैं और महिला की अस्मिता ही खतरे में आ जाती है।

जब एक लड़की की शादी हो जाती है तो उसे अपने पति के साथ रहना होता है। उसके पीहर पक्ष या पिता की जमीन, मकान, व्यवसाय, नकद या बैंक बेलेंस पर प्राय: उसके भाईयों का ही हक हो जाता है, **उसका नहीं।** यदि कोई बेटी अपना हक मांगती है तो उसे सभी हेय दृष्टि से देखते हैं व सम्बन्ध भी टूट जाता है।

जहां तक औरत-मर्द के वेतन-मजदूरी का प्रश्न है, सरकारी सेवाओं को छोड़कर औरतों को पुरुषों की तुलना में कम ही मिलता है। खेत-खलियानों में महिलाएं सारे काम करती हैं पर न तो उन्हें उसका क्रेडिट मिलता है न पैसा। फसल की बिक्री का अधिकार तो पुरुष ही रखते हैं तथा भूमि का स्वामित्व भी देखें तो पुरुषों के नाम ही पाया जाता है।

भारत में महिलाएं/बच्चियां कुपोषण व भेदभाव की शिकार होती रही हैं। गर्भवती महिलाएं रक्त अल्पता (एनीमिया) से ग्रस्त हैं वहीं जन्म के बाद बाल मृत्यु दर अधिक है। लड़कियों व महिलाओं की तस्करी (वेश्यावृत्ति, घरेलू कार्य या बालश्रम) के लिए होती रही है। इनके निवारण के लिए सरकार की ओर से कदम उठाये गये हैं। गर्भवती महिलाओं के पोषण तथा बच्चियों के कुपोषण के लिए सहायता दी जाती है। महिलाओं की अनैतिक तस्करी को रोकने के लिए 1956 में अधिनियम बना, दहेज प्रतिषेध अधिनियम 1961 बना। घरेलु हिंसा कानून 2005 बना। कन्या भ्रूण हत्या प्रतिषेध का रोकने के लिए अधिनियम बना, सेक्सुअल हैरेसमेंट ऑफ वुमन एट वर्क प्लेस (प्रिवेंशन, प्रोहिबिशन एण्ड रिड्रेसल) एक्ट 2013 बनाया गया है। कई महिलाएं/लड़कियां अब अपने हक की आवाज उठाने लगी हैं।

26 जनवरी, 2024 को गणतंत्र दिवस की परेड की सलामी जहां भारत की राष्ट्रपति महामहिम द्रोपदी मुर्मू (एक महिला) ले रही थी तो सलामी देने वालों में तीनों सेनाओं की महिलाएं थीं। वहीं अनेक सैन्य उपकरणों को चलाने में महिला भागीदारी, कत्तर्व्यपथ पर देखने को मिली। यह महिला जाग्रति का सबसे अनुपम उदाहरण है। आज हर क्षेत्र में महिलाएं नजर आ रही हैं।

हमें विचार करना होगा कि क्या हम औरतों को जिन्दगी में, परिवार, खेलों, काम, दफ्तर, सामाजिक जीवन, राजनीति में बराबरी की जगह दे पाये हैं? हम पायेंगे कि अभी भी राजनैतिक, संवैधानिक संस्थाओं में महिलाओं की संख्या 10-15 प्रतिशत से अधिक नहीं है। सामाजिक मंचों पर तो महिलाओं की भागीदारी नगण्य है। भारत में नौकरियों में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण से अच्छे परिणाम आने लगे हैं। अब लोकसभा तथा राज्य विधानसभाओं के लिए महिला शक्ति वंदन अधिनियम, 2023 पारित किया जा चुका है तथा एक तिहाई पद महिलाओं के लिए आरक्षित करने से महिला भागीदारी बढ़ेगी।

8 मार्च को अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर महिलाओं के उन्नयन के लिए प्रिन्ट व डिजीटल सामग्री का प्रचार-प्रसार करना होगा तथा हर क्षेत्र में महिला भागीदारी बढ़ाने के प्रयास के साथ उसे सम्मानपूर्वक स्थान देकर आगे बढ़ाना होगा। इस दिन महिलाओं की उपलब्धियों का जश्न मनाना चाहिए और लैंगिक समानता की पैरवी करनी चाहिए। नवाचार और प्रौद्योगिकी के साथ महिलाओं के जीवन में पूर्वाग्रहों सोच और विचारों में परिवर्तन करने पर जोर हो। उन्हें शिक्षा व प्रशिक्षण के माध्यम से आगे बढ़ने को अग्रसर करें। हाल ही में लखपति दीदी कार्यक्रम से महिलाओं को आर्थिक सम्बल देने में मदद मिल रही है।

आईए, हम भी कुमावत समाज में महिलाओं को उनके उचित अधिकार एवं सम्मान देने की दिशा में पहल करें।

**- रमेश गैदर, सम्पादक**



Created by Universal Document Converter

वि/1 श्री महेश चन्द जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/2 श्री नीरज धुन्धारिया, आनन्दपुरी, जयपुर
वि/3 श्री मनीष खोवाल कुमावत एडवोकेट, जयपुर
वि/4 श्री मनोज कुमार सिरसवा, जयपुर
वि/5 श्री शंकर लाल जायलवाल, टोंक रोड, जयपुर
वि/6 श्री यतेन्द्र अजमेरा, त्रिमूर्ती सर्किल, जयपुर
वि/7 श्री राकेश चन्द सिरोहिया, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/8 श्री संदीप नागा, बापू नगर, जयपुर
वि/9 श्री राजेन्द्र कुमार वर्मा, भौरोदिया जयपुर
वि/10 श्री मोहन कुमार घोड़ीवाल, जयपुर
वि/11 श्री नवल सरथल्या, महावीर नगर, जयपुर
वि/12 श्री पंकज कुमावत, वैरा झोटवाड़ा, जयपुर
वि/13 श्री चेतन कुमावत, डीसीएम, जयपुर
वि/14 श्री मनोज माचीवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/15 श्री दीपक सिरोहिया, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/16 श्री लक्ष्मी नारायण घोड़ीवाल, जयपुर
वि/17 श्री योगेश वर्मा, खड़गटा, टोंक रोड, जयपुर
वि/18 श्री शैलेन्द्र खटगटा, टोंक रोड, जयपुर
वि/19 श्री विनोद बालोदिया, दुर्गापुरा जयपुर (स्व.)
वि/20 श्री ओमकार मल घोड़ेला, रींगस रोड, जयपुर
वि/21 श्री रामपाल मारवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/22 श्री रामप्रकाश बेरा, मुरलीपुरा, जयपुर
वि/23 श्री मोहनलाल घोड़ेला, नींदड़, जयपुर
वि/24 श्री कालूराम होदकास्या, नींदड़, जयपुर
वि/25 श्री जयनारायण मारवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/26 श्री महेंद्र खरोलिया, चांदपोल बाजार, जयपुर
वि/27 डॉ. सीताराम नागा, जोबनेर, जयपुर
वि/28 श्री शंकरलाल मामोड़िया, 22 गोदाम, जयपुर
वि/29 श्री रामस्वरूप खोराणिया, जयपुर
वि/30 श्री नरेंद्र कुमार आर्य, ब्यावर, अजमेर
वि/31 श्री चेनसुख बड़ीवाल, बगरू, जयपुर
वि/32 श्री चांदमल कुमावत (घोड़ेला), मुंबई
वि/33 श्री राजसिंह गैदर, पांचावाला, जयपुर
वि/34 श्री मनोज ब्याडवाल, श्रीराम नगर, झोटवाड़ा
वि/35 श्री गोपाल मारवाल, श्रीमाधोपुर, सीकर
वि/36 श्री मनीष मारवाल, निवारू रोड, जयपुर
वि/37 श्रीरूप सिंह कारगवाल, जयपुर
वि/38 श्री दया प्रकाश जलांधरा, इंदौर
वि/39 श्री नवीन कुमार वर्मा भौंरोदिया, इंदौर
वि/40 श्री राजेंद्र प्रसाद, तमिलनाडु
वि/41 श्री शिव भगवान चेजारा, सिरस्वा, सीकर
वि/42 श्री तेज प्रकाश नागा, जोबनेर, जयपुर
वि/43 श्री पृथ्वीराज जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/44 श्री मोहन कुमार बालोदिया, जयपुर
वि/45 श्री पुरुषोत्तम लाल घोड़ेला, जयपुर
वि/46 श्री ललित स्वरूप पोडेला, जयपुर
वि/47 श्री विजय कुमावत (भौरोंदिया), जयपुर
वि/48 श्री अरविंद सिरस्वा, पचार, सीकर
वि/49 श्री मूलचंद खोवाल, जयपुर
वि/50 श्रीमती शशि वर्मा, धुमुनिया, दुर्गापुरा, जयपुर
वि/51 श्री राजेंद्र जूनवाल, टोंक फाटक, जयपुर

## विशिष्ठ संरक्षक

वि/52 श्री सतीश चंद खाटूवाल, जयपुर
वि/53 श्री नन्द किशोर सिरस्वा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/54 श्री संतोष खरनारिया कुमावत, अजमेर
वि/55 श्री प्रमोद कुडावलिया, छत्तीसगढ़,
वि/56 श्री मनोज बड़ीवाल, रायपुर, छत्तीसगढ़
वि/57 श्री श्रीराम नीमिवाल, जयपुर
वि/58 श्री भीवाराम दम्बीवाल, निर्माण नगर, जयपुर
वि/59 श्री पन्नालाल सिरस्वा, निर्माण नगर, जयपुर
वि/60 श्री रामस्वरूप कुमावत, बड़ीवाल, मुम्बई
वि/61 श्री हेमेंद्र सिंह गैदर, टोंक रोड, जयपुर
वि/62 श्री साधुलाल चेजारा (सिरस्वा), जयपुर
वि/63 श्री गोपाललाल बासनीवाल, जयपुर
वि/64 श्री मोहनलाल मामोड़िया, जयपुर
वि/65 श्री रामकुमार बिरथलिया, जयपुर
वि/66 श्री जगदीश कुमावत
वि/67 श्री मुकेश कु. कुदीवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/68 श्री रोहिताश मोरवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/69 श्री शुभकरण किरोड़ीवाल, सूरत
वि/70 श्री नान्छीलाल कुद्दीवाल, जयपुर
वि/71 श्री रमेश चंद माचीवाल, त्रिनगर, दिल्ली
वि/72 श्री राधेश्याम घासोलिया, दिल्ली
वि/73 श्री हंसराज मारवाल, ब्यावर
वि/74 श्री मेघराज सिरस्वा, छत्तीसगढ़
वि/75 श्री सूरजमल अनावड़िया, लाल कोठी, जयपुर
वि/76 श्री छीतरमल धुंधारिया, निवारू रोड, जयपुर
वि/77 श्री रामगोपाल खोराणिया, सोडाला, जयपुर
वि/78 श्री हरिशंकर राजौरा, जयपुर
वि/80 डॉ. प्रवीण कुमार मारवाल, झुंझुनूं
वि/81 श्री अर्जुन लाल धुन्धारिया, जयपुर
वि/82 श्री ओम प्रकाश धुन्धारिया, जयपुर
वि/83 श्री गोविंद नारायण तांगड़ा, जयपुर
वि/84 श्री सुरेंद्र सिंह तारकसी, बापू नगर, जयपुर
वि/85 श्री माधव दास बालोदिया, जयपुर
वि/86 श्री मोहित धुन्धारिया, जयपुर
वि/87 श्री बाबूलाल मंडावरा, जयपुर
वि/88 श्री मनीष वर्मा (सिरस्वा), दुर्गापुरा, जयपुर
वि/89 श्री हेमांक खड़गटा, मोती डूंगरी, जयपुर
वि/90 श्री कैलाश जलान्धरा, माल की ढाणी, दूदू
वि/91 श्री लोकेश जंहाजपुरिया, नंदपुरी, जयपुर
वि/92 श्री नन्दकिशोर आसीवाल, रिंगस, सीकर
वि/93 श्री बाबूलाल धुन्धारिया, वीकेआई, जयपुर
वि/94 श्री रामसिंह बैथाड़िया, तुलसी सेन्ट्रल मैन बाजार, सांगानेर
वि/95 श्री मदन लाल कुमावत, निर्माण नगर, जयपुर
वि/96 श्री नरेंद्र मामोडिया, अशोक नगर, उदयपुर
वि/97 श्री बाबूलाल कुमावत, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/98 श्री रमेश मारवाल, खातीपुरा, जयपुर
वि/99 श्री प्रहलाद नारायण कुमावत, जयपुर
वि/100 श्री सत्यनारायण कुमावत, जयपुर
वि/101 श्री दीपेश टी. मॅडावरा, जयपुर
वि/102 श्री राकेश कुमावत (एडवोकेट), बरकत नगर, जयपुर
वि/103 श्री ओमप्रकाश कुमावत, जयपुर
वि/104 श्री रमेश चन्द ब्याड़वाल, नई दिल्ली
वि/105 डॉ. एन.के. कुमावत, लालकोठी, जयपुर
वि/106 श्री राम प्रसाद छापोला, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/107 श्री गिरधारी लाल सिंघनवाल, उदयपुर
वि/108 श्री राकेश कुमावत (धनारिया), उदयपुर
वि/109 श्री बाबूलाल वर्मा (ब्याड़वाल), नई दिल्ली
वि/110 श्री कन्हैयालाल खण्डारिया, जयपुर
वि/111 डॉ. महेश कुमार जालवाल, जयपुर
वि/112 डॉ. श्रीमती श्यामा कुमावत, उदयपुर
वि/113 श्री महेश कुमार कुमावत, किशनगढ़
वि/114 श्री मुकेश वर्मा (मरोड़िया), जयपुर
वि/115 श्री जयकिशन कुमावत (सोकिल), चौमूं
वि/116 श्री गजेंद्र मारवाल, सांगानेर, जयपुर
वि/117 श्री सुनील तोंदवाल, वीकेआई, जयपुर
वि/118 श्री मदनलाल जलान्धरा, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/119 श्री सुमित कुमार घोड़ेला, मुंबई
वि/120 श्री ओम प्रकाश का कारगवाल, ब्यावर
वि/121 श्री प्रेमचन्द कुमावत (बैरा), झोटवाड़ा, जयपुर
वि/122 श्री योगेश वर्मा, मुम्बई
वि/123 श्री राजेश धूंधारिया, डूंडलोद कॉलोनी, जयपुर
वि/124 श्री सुनील प्रकाश वर्मा, मुम्बई
वि/125 श्री उम्मेद सिंह नन्दीवाल पुत्र श्री जी.एस. नन्दीवाल, जयपुर
वि/126 श्री रामलाल बैथाड़िया
वि/127 श्री लोकेन्द्र बालोदिया, जयपुर
वि/128 श्री कुमार गौरव कुमावत, कोटा
वि/129 श्रीमती मेघना कुमावत, जयपुर
वि/130 श्री गोपाल लाल कुण्डलवाल, जयपुर
वि/131 श्री दामोदर लाल जलान्दरा, जयपुर
वि/132 डॉ. पी.एम. कुमावत, उज्जैन
वि/133 श्री विमल कुमावत, जयपुर
वि/134 श्री महेन्द्र सिंह, बापूनगर, जयपुर
वि/135 श्री गोपाल लाल-सीताराम, जयपुर
वि/136 श्री रुपेश मारोठिया, बरकतनगर, जयपुर
वि/137 श्री घनश्याम देवतवाल, पटेल कॉलोनी, जयपुर
वि/138 श्री लक्ष्मीनारायण सिरस्वा, मुरलीपुरा, जयपुर
वि/139 श्री प्रहलादराय नोखवाल, भदाल, गोविन्दगढ़
वि/140 श्री घनश्याम खाटूवाल, ढोडसर
वि/141 श्री मुकेश कारगवाल, बरकत नगर, जयपुर
वि/142 श्री कैलाश खटोड़, गजसिंहपुरा, गोपालपुरा बाईपास, जयपुर
वि/143 श्री संजीव कुमार वर्मा, मानसरोवर एक्स., जयपुर
वि/144 श्री रामेश्वर बम्बोरिया, पवन टॉवर, सोडाला, जयपुर
वि/145 श्री राकेश कुमावत,(आसीवाल), बनीपार्क, जयपुर
वि/146 श्री यतेन्द्र सिंह, खिरणी फाटक, जयपुर
वि/147 श्री प्रारूप कुमावत, रांकड़ी, जयपुर
वि/148 श्री शिवदयाल धुंधारिया, सीकर रोड, जयपुर
वि/149 श्री छीतरमल मारवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
वि/150 श्री कैलाश घोड़ावड़, सूरत
वि/151 श्री गणेश लाल कुमावत, देवी नगर, जयपुर
वि/152 श्री ओम प्रकाश वर्मा, अलथान रोड, सूरत

## ''कुमावत इंडिया'' पत्रिका परिवार की ओर से सभी दिवंगत आत्माओं को अश्रुपूरित श्रद्धांजलि

20 जनवरी श्रीमती रामभज देवी धर्मपत्नी स्व. श्री केसर लाल, महरावण्डिया निवाई, टोंक
21 जनवरी श्री प्रमोद मनेठिया निवासी, लालपुरा कॉलोनी, वनस्थली मार्ग, जयपुर
21 जनवरी श्री चेतनलाल सिरोहिया, सांगानेर, जयपुर
22 जनवरी श्री गोपाल लाल कुलचानिया, निवासी लवाण, जयपुर
22 जनवरी श्री गोपाल लाल धुंधारिया, टोडी, जयपुर
23 जनवरी श्री महेन्द्र मारवाल (पप्पू), शास्त्री नगर, जयपुर
26 जनवरी श्री गोपाल (रामगोपाल) जलान्धरा माल की ढाणी, सांगानेर, जयपुर
27 जनवरी श्रीमती विमला देवी कुण्डलवाल, गणेश नगर, मुरलीपुरा, जयपुर
27 जनवरी श्रीमती लाडा देवी धर्मपत्नी स्व. श्री भंवरलाल बेडवाल, जोबनेर
28 जनवरी श्री लाल चन्द कुदवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
28 जनवरी श्री महेन्द्र कुमावत पुत्र श्री मुरलीधर रेणीवाल, किशनगढ़, अजमेर
29 जनवरी श्रीमती सरोज देवी धर्मपत्नी श्री श्रवण राजोरिया, मानसिंहपुरा, टोंक फाटक
29 जनवरी श्रीमती सीता धर्मपत्नी श्री राकेश नीमीवाल, किसान मार्ग, जयपुर
29 जनवरी श्री रमेश चन्द्र कुमावत, कुमावत कॉलोनी, किशनगढ़
29 जनवरी श्री शंकरलाल सिंगनवाल जय श्रीनगर, सीकर रोड, जयपुर
30 जनवरी श्री ओमप्रकाश वर्मा (कठूमरा) जनता नगर, राकड़ी, सोडाल, जयपुर
30 जनवरी श्री राम चन्द्र माननीया, कालका माता रोड, उदयपुर
30 जनवरी श्रीमती चन्दा देवी खण्डारिया, रामनगर विस्तार, जयपुर
1 फरवरी श्रीमती जमना बाई पत्नी स्व. वेणीराम, निम्बाहेड़ा
7 फरवरी सुश्री विधिशा पुत्री स्व. श्री रणजीत लाल कुचेरिया, हरी श्याम विहार, उदयपुर
8 फरवरी श्रीमती मोहिनी देवी पत्नी स्व. मुरलीधर दम्बीवाल, तीतरीया चौमूं
10 फरवरी श्रीमती सुशीला खानारिया, एकलिंगपुरा, उदयपुर
13 फरवरी श्रीमती कमला बाई (नानीबाई) गोठवाल, पुलां, उदयपुर
14 फरवरी श्रीमती दाखा देवी देवतवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
15 फरवरी बुद्धि प्रकाश गैदर, विनोबा बस्ती, बरकत नगर, जयपुर
15 फरवरी श्रीमती किरण देवी कुद्दीवाल, झोटवाड़ा, जयपुर
15 फरवरी श्रीमती ज्योति कुमावत एवं सुश्री चारवी कुमावत, टोडी, नीन्दड़, जयपुर
15 फरवरी श्री नटवरलाल आर्य (तोंदवाल), गोविन्दपुरा, कालवाड़ रोड, जयपुर
16 फरवरी श्रीमती मन्ना देवी जेठीवाल, लालकोठी योजना, जयपुर



Created by Universal Document Converter

# विवाह योग्य युवक-युवतियों की सूची

## युवक

| नाम | शिक्षा | व्यवसाय | जन्म | ऊंचाई | गौत्र | | | | संपर्क सूत्र मो. नंबर | स्थान |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | स्वयं | माता | दादी | नानी | | |
| राहुल | MCA | Pvt. | 3.2.89 | 5'8'' | नरानिया | साड़ीवाल | जलान्दरा | टांक | 7000631232 | जयपुर |
| देवेश | M.Com. | Factory Manager | 7.10.95 | 5'6'' | मारवाल | सिंघाठिया | खोवाल | जलान्दरा | 9694872838 | जयपुर |
| गुलशन | B.Com. | Own Business | 21.7.97 | 6'0'' | बिडचानिया | बबेरीवाल | खोरानिया | खोवाल | 7878707579 | जयपुर |
| अरविन्द | ITI, MA, D. Pharma | Pvt. | 3.8.96 | - | गुरिया | घोड़ेला | राजोरिया | मारवाल | 9799710604 | अजमेर |
| महेश | BA, ITI | Self Business | 6.1.99 | 5'10'' | कुसुम्बीवाल | मारोठिया | बेहरा | घोड़ेला | 8058649045 | कुचामन |
| राकेश | M.com., CA | Working in Mumbai | 28.11.92 | 5'8'' | नेमीवाल | उज्जीवाल | झुंझुनोदिया | अडावनिया | 7568246454 | जयपुर |
| रामधन | B. Tech (Mech.) | Produc, Enginear | 7.11.94 | 5'8'' | घोड़ेला | खोरानिया | तूंदवाल | मारोठिया | 9950849427 | जयपुर |
| अविनाश | B.A., D-Pharma | Mr. | 28.7.97 | 5'10'' | दम्बीवाल | मारोठिया | अनावड़िया | मारोठिया | 9214517772 | ब्यावर |
| मनीष | B.Com. | Pvt. | 5.12.92 | 5'4'' | खोरानिया | जालवाल | धुंधारिया | बालोदिया | 9352957066 | जयपुर |
| भारत | B.Sc. Nursing | Nursing Officer | 22.7.94 | 5'7' | देवतवाल | अनावडिया | मारोठिया | बेरा | 9461018726 | पुष्कर |
| भूपेन्द्र | M.A. | Financial Service | 29.10.95 | 5'10'' | घोड़ेला | दोराया | अनावड़िया | मारोठिया | 9314249138 | जयपुर |
| हिमांशु | B.Tech. | Team Leader | 6.11.93 | 5'8'' | होदकास्या | अनावड़िया | खोरानिया | सालडीवाल | 7014995867 | जयपुर |
| छविकान्त | B.Com. | Paytam Group Leader | 20.4.96 | 5'8'' | किरोड़ीवाल | सारड़ीवाल | कारवाल | घोड़ेला | 9351383277 | जयपुर |
| रवि | Graduate & Diploma | Supervisor | 23.10.91 | 5'7'' | गैदर | जलान्दरा | घोड़ेला | खोवाल | 9829283862 | जयपुर |
| कुलदीप | B.Tech (EC) | Online Marketing | 21.5.96 | 5'11'' | मारवाल | खोवाल | मनेठिया | मामोड़िया | 9829604207 | जयपुर |
| मनोज | B. Com. | Pvt. Ltd. | 5.6.93 | 5'7'' | मारोठिया | भूरिया | लोरवाड़िया | देवतवाल | 8851231557 | दिल्ली |
| प्रशान्त | BBA, MBA. PG(music) | Self Employed | 12.4.87 | 5'9'' | अजमेरा | नीमीवाल | भोरोदिया | किरोड़ीवाल | 9829447772 | जयपुर |

## युवतियाँ

| नाम | शिक्षा | व्यवसाय | जन्म | ऊंचाई | गौत्र | | | | संपर्क सूत्र मो. नंबर | स्थान |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | | | | स्वयं | माता | दादी | नानी | | |
| अंजली(मांगलिक) | M.A..ITI | Working with NGO | 31.10.96 | 5'3'' | कोलूगरिया | बासनीवाल | बारावाल | भढाणिया | 7726999953 | हरमाड़ा |
| निहारिका | B.Sc.(Optomenty) | - | 26.8.01 | 5'4'' | वरी | वागडी | मानसीवार | मेवार | 9929026139 | उदयपुर |
| चंचल | M.A.,B.Ed. | Pvt. Teacher | 1.9.94 | 5'6'' | बालोदिया | कारगवाल | घोड़ेला | मारवाल | 8233825371 | जयपुर |
| जेसमिन | B.BA, MBA | - | 3.5.93 | 5'3'' | जालवाल | धुंधारिया | मारोठिया | बबेरीवाल | 9530200445 | जयपुर |
| मिनाक्षी(मांगलिक) | B.Com. | Pvt. Job. | 8.9.91 | 4'11'' | मंडावरा | मारवाल | खोवाल | सिरोहिया | 8302881452 | जयपुर |
| कनकराज | M.Com. | - | 5.5.2002 | 5'4'' | राजोरिया | जेठीवाल | राजोरिया | जलान्द्रा | 8890025411 | जयपुर |
| मोनिका | M.Com. | ICICI Bank | 13.6.94 | 5'1'' | पारमवाल | घोड़ेला | लोहरवाड़िया | खाटूवाला | 9351007736 | ब्यावर |
| नीशासिंह | M.Sc. (BioTech) | Teacher | 25.10.87 | 5'0'' | केकट्या | घोड़ेला | दुरान | खोराणिया | 9887052372 | जयपुर |
| आसुमिता | M.A. | - | 22.10.94 | 5'2'' | मामोडिया | सोकल | मरोडिया | धमुनीया | 9460249666 | जयपुर |
| भानूप्रिया | M.A.(Diploma Architect) | - | 19.7.97 | 5'1'' | दोराया | उदयवाल | खोवाल | सारड़ीवाल | 8290095974 | जयपुर |
| सोलीनी(मांगलिक) | M.Com. | Manager | 28.4.97 | 5'1'' | दोराया | देवतवाल | राहोरिया | बालोदिया | 9314478256 | जयपुर |
| तमन्ना | MA.,BEd REET.CTET | Pvt. Teacher | 3.3.94 | 5'4'' | कोलूगरिया | लोहरवाड़िया | बवेरवाल | मारोठिया | 9413419109 | जयपुर |
| भाविका | B.Tech., (Civil) | - | 1.1.95 | - | कोलूगरिया | सिंघाटिया | माचीवाल | घोड़ेला | 9414373745 | जालौर |
| करिश्मा | B.Sc. (C.S.) | Finastrar Pune | 4.8.94 | 5'2'' | निराणिया | मारोठिया | धुनारिया | घोड़ेला | 9823642861 | जयपुर |
| सीमा | B.E. (CS) | Accenture Pune | 4.3.90 | 5'2'' | निराणिया | मारोठिया | धुनारिया | घोड़ेला | 9823642861 | जयपुर |
| डॉ. पूजा | MBBS | Doctor | 29.1.97 | 5'1'' | बेडवाल | मारोठिया | राजोरिया | दम्बीवाल | 9314640321 | जयपुर |
| सपना | B.Com., CA | CA | 17.7.94 | 5'1'' | बेडवाल | मारोठिया | राजोरिया | दम्बीवाल | 9314640321 | जयपुर |
| डॉ. पी. संगेर | MBBS, MD | Doctor | 22.2.95 | 5'6'' | संगेर | चांदोरा | मालवीय | तिलायचा | 9313723675 | जयपुर |

**नोट :** 1. यदि आप अपनों की वैवाहिक जानकारी निःशुल्क प्रकाशित कराना चाहते हैं तो उक्त कॉलम के अनुसार कार्यालय को जानकारी प्रेषित करें।

2. प्रदत्त सूचना के आधार पर यदि आपके किसी अपने का सम्बन्ध हो जाये तो कृपया 'कुमावत इंडिया' पत्रिका को सूचित करने का कष्ट करें।

3. उपरोक्त वैवाहिक बायोडाटा की जानकारी व्यक्तिगत, विभिन्न वैवाहिक ग्रुप एवं मीडिया के द्वारा प्राप्त हुई है।



Created by Universal Document Converter

## पोस्टकार्ड से भी कम कीमत पर आपका संदेश, विज्ञापन समस्त भारत में पहुँचाने का एकमात्र सशक्त माध्यम "कुमावत इंडिया पत्रिका"

समाज बन्धुओं से निवेदन है कि पत्रिका में प्रकाशन हेतु यदि आप प्रकाशन सामग्री:- समाचार, फोटो, लेख, कविता, प्रतिभाओं का परिचय, सामाजिक गतिविधियों, जनउपयोगी सूचना आदि प्रकाशित करवाना चाहते हैं तो कृपया kumawatindiapatrika@gmail.com पर मेल करें अथवा कार्यालय पते पर सामग्री प्रेषित करें।

-सम्पादक

### आवश्यक सूचना

पत्रिकाएं नियमित रूप से हर माह की 25 तारीख को जयपुर से निर्धारित डाकघर में भेज दी जाती हैं। यदि किसी सदस्य को एक सप्ताह के अन्दर पत्रिका नहीं मिलती है तो आप अपने पोस्टमैन व पोस्ट मास्टर से शिकायत करें एवं हमें भी सूचित करें।

**'कुमावत इंडिया' पत्रिका में प्रकाशित सामग्री के तथ्य, आंकड़े व विचार लेखक के व्यक्तिगत विचार हैं तथा इसकी मौलिकता व सत्यता के लिए सम्पादक मण्डल, पत्रिका, प्रकाशक एवं ट्रस्ट विधिक रूप से उत्तरदायी नहीं है।**

■ किसी भी लेखन सामग्री या उसके किसी भाग के लिए प्रकाशन से 2 माह बाद कोई आपत्ति स्वीकार्य नहीं होगी।

**समस्त विवादों के लिए न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा।**

### पूर्वजों की याद को संजोये रखे

'कुमावत इण्डिया' पत्रिका ने यह सुविधा दी है, समाज बन्धु अपने पूर्वज ( माता-पिता, दादा-दादीजी, नाना-नानी आदि ) की पुण्य तिथि 1/8 पेज में मल्टीकलर में फोटो सहित, शुल्क 500 रुपए एक बारीय अथवा 4000 रु. जमा कराकर 10 वर्ष तक प्रकाशित करा सकते हैं। - सचिव

**पता बदलने तथा पत्रिका नहीं मिलने पर मो. 9414554322 पर नया पता पिन कोड सहित व्हाट्सएप करें।**

### -: विशेष निवेदन :-

1. **शोक समाचार, तीये की बैठक के समाचारों में नाम के साथ 'कुमावत' अवश्य लगाएं। क्योंकि समान गोत्र अन्य समाजों में भी मिलते हैं।**
2. **इस पत्रिका में हाल ही में दिवंगत हुए समाजजनों की श्रद्धांजलि एक लाईन में नि:शुल्क प्रकाशित की जाती है। इस हेतु पत्रिका को सूचित करने का कष्ट करें।**

### सदस्यता समाप्ति सूचना

3 वर्षीय सदस्यता वाले सदस्यों को सूचित किया जाता है कि उसकी सदस्यता समाप्त हो गई। कृपया शीघ्र नवीनीकरण करावें।

सामाजिक संस्थाओं व ट्रस्टों को विज्ञापन में 10 प्रतिशत की छूट।

## 'कुमावत इंडिया' पत्रिका नहीं मिलने पर यहां सम्पर्क करें

डाक विभाग एवं अन्य के कारणों से आपको पत्रिका नहीं मिलती है तो कृपया अपने नजदीक सेन्टर पर जाकर प्राप्त करने का कष्ट करें तथा कृपया पत्रिका कार्यालय को पत्र, पोस्ट कार्ड आदि द्वारा सूचित करने का कष्ट करें।

**जयपुर :**

1. **लालकोठी बापूनगर**-श्री सुरेन्द्र नागा, सिवाड़ एरिया, बापूनगर, मो. 9414994006
2. **शिल्प कॉलोनी, झोटवाड़ा**- श्री महेश जलान्धरा मो. 9509344684
3. **कुमावत कॉलोनी, झोटवाड़ा**- श्री सुरेन्द्र मारोठिया मो. 9314820385
4. **जयपुर शहर**-श्री राजसिंह बधानियां, म.नं. 454, मिश्र राजाजी का रास्ता, मो. 9414238799
5. **सांगानेर**-श्री भीमसिंह सिरोहिया, मालपुरा गेट मो. 9414359364
6. **मालवीय नगर**-श्री लक्ष्मीनारायण घोड़ीवाल, 7/218, मालवीय नगर, जयपुर मो. 9549656438
7. **22 गोदाम**-श्री चेतन बालोदिया, राज ब्लॉक, बी-81, रोड नं. 4 मो. 9414052736
8. **आदर्श नगर, तिलक नगर**-श्री शैलेन्द्र खड़गटा, खड़गटा भवन, मोती डूंगरी, जयपुर मो. 9351682036
9. **दहमी कलां, बगरू**-श्री चेनसुख बड़ीवाल, ग्लोबल एकाउन्ट सर्विस दहमी कलां बालाजी स्टेण्ड मो. 9929012987
10. **करधनी-कालवाड़ रोड**-श्री गणेश राम मारवाल, मै. जयश्री राम हार्डवेयर एण्ड पावर टूल्स टिम्बर दुकान नं. 90-91, करधनी शॉपिंग सेन्टर 9 दुकान कालवाड रोड, मो. 9828063267
11. **टोंक फाटक**- गणपति आर्ट एण्ड फ्रेम, 26 आदर्श बस्ती, मो. 8058157147
12. **बरकत नगर-महेश नगर**-श्री विशाल कम्प्यूटर्स, बरकत नगर महेश नगर फाटक के पास, जयपुर, मो. 94613-43432
13. **ब्यावर**-श्री नरेन्द्र आर्य, मो. 8107944493
14. **दिल्ली**-श्री राधेश्याम घासोलिया, मो. 9818711580
15. **फुलेरा**-श्री सुरेश नागा, जगदम्बा प्रिंटिंग प्रेस, बस स्टेण्ड के पास
16. **सोडाला** -घनश्याम फोटो लेमिनेशन एण्ड फ्रेमिंग, 31, कुमावत कॉलोनी, मो.9352070394



Created by Universal Document Converter

## बाल निवास में गणतंत्र दिवस मनाया गया

बाल निवास ट्रस्ट की ओर से गणतंत्र दिवस 26 जनवरी को गणमान्य समाजजनों की उपस्थिति में हर्षोल्लास से मनाया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि श्रीमती संगीता कुमावत व



अतिथि श्रीमान जगदीश दम्भीवाल का बाल निवास ट्रस्ट की तरफ से स्वागत किया गया तथा उन्होने तिरंगा झण्डा फहराया। मुख्य अतिथि श्रीमती संगीता जी सिरोहिया पत्नि जय प्रकाश सिरोहिया की तरफ से बाल निवास में निर्माण कार्य हेतु 1,11,111 रूपये का सहयोग दिया गया तथा अतिथि श्रीमान जगदीश दंभीवाल की तरफ से 51 हजार रूपये का चेक प्रधान ट्रस्टी, श्री रामप्रसाद घोडेला को दिया गया। दोनों ही अतिथियों का बाल निवास ट्रस्ट के मंत्री डा. जय नारायण जूनवाल ने आर्थिक सहयोग के लिए आभार प्रकट किया तथा पधारे हुए समाजजनों को धन्यवाद देकर कार्यक्रम समापन की घोषणा की।

## शिविर में 342 यूनिट रक्तदान

रानोली। शहीद सीताराम कुमावत जनसेवा संस्थान राजस्थान द्वारा लगाये गए रक्तदान शिविर में कुल 342 युवाओं ने रक्तदान किया, आयोजक समिति के अजय मारवाल व विनीत शर्मा ने बताया कि शिविर में




शिश्यू, रानोली, अजबपुरा, गोरिया, पलसाना सहित आसपास के कस्बों के कार्यकर्ताओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया, संस्थान अध्यक्ष नवीन कुमार सिरस्वा ने बताया कि शिविर में भामाशाह चतुर्भुज कुमावत मुख्य अतिथि रहे एवम भाजपा नेता गजानन्द कुमावत, नेमीचंद कुमावत, हेमंत यादव, पलसाना ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष भींवाराम बाज्या, समाजसेवी मक्खनलाल कुमावत, गुलझारी लाल वर्मा, परमेश्वर यादव, पँचायत समिति प्रत्याशी कैलाश बुनकर, लालूराम गढ़वाल, रत्न यादव, रिछपाल कुमावत, अभिषेक सेठी आदि अतिथि रहे। भाजपा नेता कुमावत ने रक्तदान को प्रेरणादायक बताते हुए युवाओं से रक्तदान का आह्वान किया।

## HEM SINGH

D.O.B.: 26/06/1990, Time: 6:45 AM
Age:-33 Years
Place-Of-Birth: Delhi
Height: 5'9",Never Married
Mother Tongue: Hindi
Contact: 8700402685 (Mother)
Address: A-27-A, 3rd Floor, Om Vihar, Ram Nagar, Uttam Nagar, Delhi:110059

### OVERVIEW

- **Work as Branch Manager in Al Arabia Hr Consultancy Pvt. Ltd (Delhi)**
- **Annual Income**: 07 Lac+
- **Highest-Degree:** B.A (2011)
- **Diet:** Vegetarian
- **Skin:** Fair
- **Drink:** Never
- **Personality:** Achiever

### FAMILY DETAILS

- **Father:** Late Rajendra Prasad (Rtd. Education Ministry).
- **Mother:** Manju Devi, Homemaker
- **Family Lives in:** Delhi
- **Family-Type:** Nuclear Family with modern values
- **Living with Parents:** Yes
- **Siblings: 2,** Elder Sister & Brother

### FAMILY DETAILS

- **Religion:** Hindu
- **Gotra:**
- **Self:** Lodwal
- **Dadi:** Sadiwal
- **Mom:** Naukhwal
- **Nani:** Dhiliwal
- **Rishi:** Kark (Cancer)
- **Manglik:** No

### ॐ ABOUT MYSELF

I come from a middle-class family. The most important thing in my life is religious believes, moral values & respect for elders. I am modern thinker but also believe in good values given by our ancestors. I love going on trips with friends, listening to classical music & watching latest movies,reading books etc.

### ॐ EXPECTATIONS

I'm looking for a life partner who believes in family values, our culture and enjoys togetherness. She may be carrier-oriented or homely, both ways are acceptable. I'm expecting her to be understanding, caring and adjustable in any circumstances of life.

विज्ञापन

**वैवाहिक**

## VINOD KUMAWAT

| | | |
|---|---|---|
| **Date of Birth** | : | 18-02-1987 |
| **Born Place** | : | Jaipur **Colour :** Fair |
| **Height** | : | 5'7" |
| **Occupation** | : | Salesman (Birdhichand Ghanshyamdas Jewellers) |
| **Qualification** | : | 12th Rajasthan Board |
| **Father's Name** | : | Shri Indra Kumar Kumawat |
| **Mother** | : | Smt. Suraj Devi Kumawat |
| **Gotra** | : | **Self** -Badiwal **Mother** -Badhaniya **Dadi-**Aasiwal **Nani-**Rahoriya |
| **Grand Father** | : | Late Naval Kishore |
| **Elder Sisters** | : | Nisha Kumawat W/o Mr. Bhanu Prakash Kumawat |
| **Elder Brother** | : | Late Anil Kumawat |
| **Address** | : | 240 A, Salasar City E Niwaru Road, Lalchand Pura, Jaipur (Raj.) 302012 |
| **Contact No.** | : | 9660605349 (Father) 9799438107 (Vinod Kumawat) |

विज्ञापन

# स्वामी रामदेव के मोम के पुतले का हुआ अनावरण

लंदन के तुसाद म्यूजियम में स्वामी रामदेव पहले भारतीय सन्यासी हैं, जिनकी मोम की प्रतिकृति लगाई जा रही है। उनकी मोम की प्रतिमा का दिल्ली में अनावरण हुआ। **स्वामी रामदेव ने** पुतले पर आश्चर्य जताते हुए कहा कि इसके बाल असली जैसे हैं। योग, आध्यात्म और हमारी ज्ञान परंपरा को लेकर जिस तरह से विश्व आशा भरी निगाहों से देख रहा है, वह इसका प्रमाण है। उन्होंने कहा कि मोम की यह मूरत मेरी व्यक्तिगत यात्रा से कहीं अधिक का प्रतीक है, यह भारत के उस प्राचीन और आध्यात्मिक ज्ञान का प्रतिनिधित्व करता है जो **'वसुधैव कुटुम्बकम्' और 'सर्वे भवन्तु सुखिन, सर्वे संतु निरामया'** के सिद्धांत पर जीवन का आदर्श प्रस्तुत करते हैं।

बाबा रामदेव को योग क्रियाओं के अपने प्रेरणादायक प्रयासों ने सभी उम्र के लोगों को प्रभावित किया है और योग एवं प्राचीन आयुर्वेदिक उपचारों के माध्यम से स्वस्थ जीवन को बढ़ावा दे रहे हैं।

**टियागो मैडम तुसाद के प्रवक्ता टियागो मोगोडोयूरो ने कहा** कि बाबा रामदेव की योग के प्रचार, आयुर्वेद संस्कृति के परिचय और स्वस्थ जीवन की वकालत के माध्यम से समाज के प्रति उनकी प्रतिबद्धता वाकई में हम सभी के जिसे एक उपहार है। उल्लेखनीय है कि इससे पहले महात्मा गांधी, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी, बॉलीवुड अभिनेता सलमान खान और शाहरुख खान समेत अब तक करीब 12 से हस्तियों का पुतला लंदन के इस म्यूजियम में लगाया जा चुका है।

विज्ञापन

स्व. 22.02.2013

स्व. 10.11.2008

11वीं पुण्यतिथि
22.02.2024
स्व. श्री गुलाबचन्द कारगवाल

16वीं पुण्यतिथि
10.11.2024
स्व. श्रीमती लादी देवी

हम सब परिवारजन अश्रुपुरित श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

श्रृद्धान्वत :
पुत्र - पुत्रवधु : रूप सिंह - शारदा, उमेशचन्द - उर्मिला
पुत्री - दामाद : विमला - विजय मण्डावरा, उमा - सुशील आसीवाल
पौत्री-पौत्री दामाद : डॉ. देवांशी-इंजी. श्री पवन
पौत्र - पौत्री : गर्वित, हर्षिता, मिष्ठी एवं कारगवाल परिवार

:: कार्यालय एवं निवास :: रूपन आर्ट्स जयपुर । दिल्ली । नेपाल
ई-544, लालकोठी स्कीम, ज्योति नगर पुलिस थाने के सामने, जयपुर-302015
फोन : 0141-2741727, मो. 9314502407,9314502964

स्व. 18.02.2013

11वीं पुण्यतिथि
18.02.2024
स्व. श्रीमती निर्मल अजमेरा
धर्मपत्नी चन्द्रप्रकाश अजमेरा

हम सब परिवारजन अश्रुपुरित श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

श्रृद्धान्वत :
पुत्र - पुत्रवधु :
गौरव अजमेरा - मीनू अजमेरा
पुत्री - दामाद : उर्वशी - राजेन्द्र बालोदिया, दोहिता : आकाश
पौत्री : किशिका, किन्जल एवं समस्त परिवारजन एवं मित्रमण्डल

निवास : डी-219, मालवीय नगर, जयपुर मो. 9829488824

स्व. श्री नाथूलाल जी कुमावत
( स्वर्गवास 25.02.2005 )
19वीं पुण्यतिथि 25.02.2024

स्व. श्रीमती केसर देवी कुमावत
( स्वर्गवास 26.08.2014 )
20वीं पुण्यतिथि 26.08.2024

हम सब परिवारजन सजल नयनों में
सहृदय श्रद्धा सुमनांजलि अर्पित करते हैं।

श्रद्धान्वत पुत्र-पुत्रवधु : रूपचन्द-पार्वती, राम प्रकाश-सुनिता, राजकुमार-उमा, जयसिंह-कौशल्या, सत्यप्रकाश-शकुन्तला, पुत्री-पुत्री दामाद : श्रीमती प्रकाश-स्व. श्री नेकचन्द जी मण्डावरा, श्रीमती विद्या-स्व. श्री प्रहलाद जी मारोठिया, श्रीमती मंजू-कजोड़ जी देवतवाल, पौत्र-पौत्र वधु : महेश-शलिनी, गीतेश-हर्षा, नरेश-डॉ. हेमा, देवेश-योगिता, आशीष-प्रियंका एवं रोहन पाल सिंह, पौत्री-पौत्री दामाद : रेनू-दिलीप जी, सोमा-सुधीर जी, अरुणा ( टीना ) चन्द्रप्रकाश जी, सोनिया-योगेश जी, मोनिका-चन्द्रशेखर जी रुबिया-विजेन्द्र जी, श्रृष्टि-सुमित जी एवं वापिका सिंह एवं समस्त मारवाल ( टींकीवाले ) परिवार

433 ए, सूर्य नगर, गोपालपुरा, बाईपास, जयपुर

स्व. श्री नानूराम जी जलान्दरा
की 11वीं पुण्यतिथि
28 फरवरी 2024

हम सब परिवारजन अश्रुपुरित श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

श्रृद्धान्वत :
धर्मपत्नी : स्व श्रीमती रामप्यारी देवी
पुत्र - पुत्रवधु : ओमप्रकाश - लक्ष्मी, ताराचन्द - भगवति, मोहन लाल - ऊषा, दामोदर लाल - संतोष, महेश - सुनीता, महेन्द्र - सुनीता, ईश्वर - कृष्णा, प्रभूनारायण - पुष्पा
पुत्री - दामाद : रामरखी - सोहनलाल माचीवाल, सुशीला - रमेशचन्द भौरोंदिया, मीरा - कैलाश चन्द खाटूवाल
पौत्र-पौत्रवधु : जितेन्द्र - हेमा, दीपक - चन्द्रकला, राजेश - विमलेश, प्रमोद - डिम्पल, पंकज - कविशा, संजय - दिव्या, मनोज, विनोद, राहुल, हिमांशु, अनिरूद्ध, मृणाल, यश, तेजस
पौत्री - दामाद : इन्दू - मुकेश धुंधारिया, नीलू - नरेन्द्र बारवाल, दीपिका - नरेश सिरोहिया, अंजली - भानू खोराणिया
काजल, टीशा प्रपौत्र/प्रपौत्री : हर्ष, निखिल, सारांश, पूर्विक, डुग्गू, रूह

निवास : 190 ए शिल्प कॉलोनी, झोटवाड़ा, जयपुर - 302012 • मोबाईल : 9828118789, 9509344684
फर्म : मै. महेशचन्द नानूराम, शिल्प कॉलोनी, झोटवाड़ा, जयपुर

रजि. नं. 354/2018

# सर्व कुमावत क्षत्रिय महासभा (रजि.)

## कार्यालय पवन टॉवर, सोडाला, जयपुर ( राज. )

## आवश्यक सूचना

सर्व कुमावत क्षत्रिय महासभा के पंचवर्षीय चुनाव 14 सितम्बर, 2024 से पूर्व सम्पन्न किये जायंगे। चुनाव हेतु **श्री रमेश गेदर** रिटायर्ड डिप्टी कमिश्नर स्टेट टैक्स एवं 'कुमावत इण्डिया' पत्रिका के सम्पादक को **मुख्य चुनाव अधिकारी** तथा **श्री शिव दयाल सोकल** रिटायर्ड सहायक कुल सचिव राजस्थान विश्वविद्यालय, **श्री पूरण मामोड़िया** रिटायर्ड पी.डब्लूडी. को **सहायक चुनाव अधिकारी** नियुक्त किया गया है।

**श्री रमेश गेदर**

**श्री शिव दयाल सोकल**

**श्री पूरण मामोड़िया**

महासभा का सदस्यता अभियान दिनांक 12 फरवरी 2024 से 31 मई, 204 तक चलाया जायेगा। इस समय में बने सदस्य ही चुनाव प्रक्रिया में भाग ले सकेंगे। सदस्यता अभियान का प्रभारी राष्ट्रीय महामंत्री श्री रूप सिंह कारगवाल को नियुक्त किया गया है।

महासभा की पूर्व की सभी गतिविधियों के संबंध में एक स्मारिका का प्रकाशन 15, सितम्बर, 2024 को किया जायेगा जिसके लिए राष्ट्रीय संगठन एवं प्रचार मंत्री श्री लक्ष्मीनारायण घोड़ीवाल को प्रभारी नियुक्त यिका गया है। किसी भी तरह की जानकारी के लिए राष्ट्रीय कार्यालय मंत्री श्रीमती सोनिया डाल या संबंधित प्रभारी से संपर्क कर सकते हैं।

| | | |
|---|---|---|
| राष्ट्रीय अध्यक्ष | राष्ट्रीय महामंत्री | राष्ट्रीय महामंत्री |
| **रामेश्वर बम्बोरिया** | **रूपसिंह कारगवाल** | **बापू साहब वामन तुसे** |
| 8279113101 | 9314502027 | 8097088302 |
| राष्ट्रीय महामंत्री | राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष | राष्ट्रीय संगठन एवं प्रचार मंत्री |
| **सावित्री अनावड़िया** | **सोहन लाल अजमेरा** | **लक्ष्मीनारायण घोड़ीवाल** |
| 7976118593 | 9636860812 | 9549656438 |

## परिवार परिचय

**पिता स्व. श्री गोपाल सिंह नन्दीवाल** एवं माता **स्व. श्रीमती मनोरमा नन्दीवाल** को नमन व हमें अपनी पहचान देने वाले
**'श्री कुमावत क्षत्रिय समाज'** को हृदय से आभार

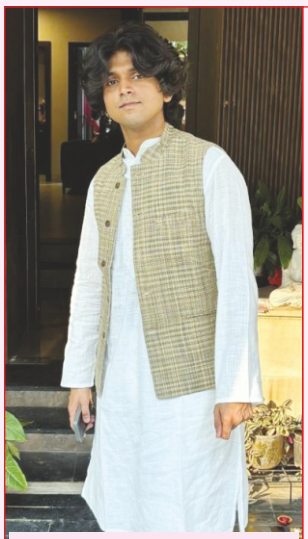

### पुत्र : प्राज्ञ नन्दीवाल

**क्षेत्र :** संगीत-गायन प्रॉडक्शन, काम्पोजिंग

**अध्ययनरत :** वेचलर इन म्यूजिक

**कार्य :**

- YOUTUBE CHANNEL- 'PRAGZ'
- SONG 'KHEL' PURCHASED BY SONY MUSIC, MUMBAI
- SONG 'SHEHER'- LAUNCHED IN FEB'24

### पुत्री : निष्ठा नन्दीवाल Bio-Data

| | | |
|---|---|---|
| **Date of Birth** | : | 27th July 1996 **Height:** 5'2'' |
| **Qualification** | : | B.A. L.L.B; L.L.M. (In Business Law from Bharati Vidyapeeth Deemed University). |
| **Occupation** | : | Team Lead, Minus Dispute Legal Strategists, Pune<br>Currently working as a Team Lead in Professional Services and Contracts at Icertis Solutions, Pune |
| **Gotra** | : | **Self** – Nandiwal **Maternal** – Ambere<br>**Dadi** – Machiwal **Nani** – Behere |

**Family Profile**

| | | |
|---|---|---|
| **Grandfather** | : | (Late) Shri Gopal Singh Nandiwal |
| **Occupation** | : | Retired Chief Town Planner, Government of Rajasthan. |
| **Father** | : | Ummed Singh Nandiwal |
| **Occupation** | : | Retired Chief Architect P.W.D. Jaipur, Rajasthan |
| **Mother** | : | Sunita Nandiwal |
| **Occupation** | : | Interior Designer |
| **Brother** | : | Praagya Nandiwal |
| **Education** | : | Pursuing Bachelors in Music, Performance and Production from Vijaybhoomi University, Karjat (Mumbai), Maharashtra |
| **Contact No.** | : | 9887556760 (Father); 7568240360 (Mother) |

**उम्मेद सिंह नन्दीवाल**, B.Arch

- मुख्य वास्तुविद्, सार्वजनिक निर्माण विभाग से स्वैच्छिक सेवानिवृत्त
- स्व व्यवसाय, वास्तुविद क्षेत्र में कंसलटेन्सी सेवाएं (वनस्थली विद्यापीठ में लगभग रु. 150 करोड़ के कार्य)
- कई महत्वपूर्ण सरकारी परियोजनाओं पर कार्यरत
- निजी क्षेत्र के मकान, इंटीरियर आदि के कार्य।

**सुनीता नन्दीवाल,**
**Master of Commerce, Interor desiner**

- अध्यक्ष, श्री कुमावत क्षत्रिय महिला समाज विकास संस्था, जयपुर
- संगीत में निपुण पश्चात् संगीत गतिविधियों में कार्यरत
- संगीत स्कूल खोलने हेतु प्रयासरत।

**प्रतिष्ठान : वास्तुकृति आर्किटेक्ट्स**
542-543, उदयपथ, श्याम नगर, सोडाला, जयपुर, फोन : 0141-2291995, 9887556760

# SP CONSTRUCTION

## Building INDIA'S Construction

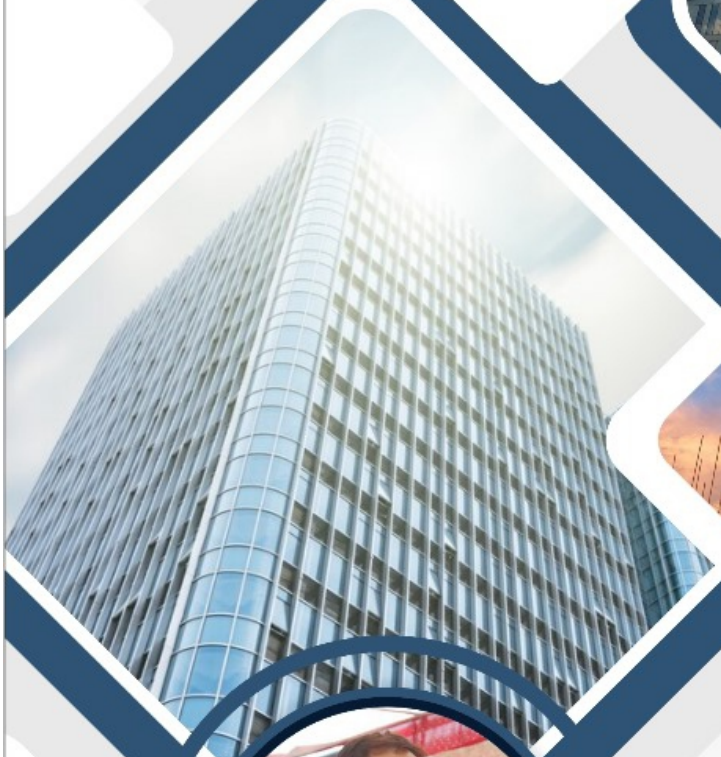

**SHASHI PAL KUMAWAT**

B-34, Devi Chiranjivi Colony, Surya Nagar, Gopal Pura Bye Pass, Jaipur 302015

Web: spconst.co.in E-Mail: info@spconst.co.in

# Shubh Laxmi Crane & Engineers

**(Formally Know as Shri Laxmi Crane Service )**

**All India Equipments Rental Service Provider**

**Jai Kishan Kumawat**
+91- 9829125428
+91- 9887011175

**Shankar Lal Kumawat**
+91- 9887227775

**Mukesh Kumar Kumawat**
+91- 9887337775

**H.O.**
Shree Heera Bhawan, Dholi Mandi
Chomu-303702 Distt. Jaipur (Rajasthan)

**B.O.**
Near Patwar Bhawan,Village - Kawas
Distt. Barmer - 344035 (Rajasthan)

shreelaxmicranes@gmail.com
shubhlaxmicrane@gmail.com

www : shrilaxmicrane.com

Graphic By : Art point # 9928064300